मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-7, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 226 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23
भोपाल
31 जनवरी 2024 बुधवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
12 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

मप्र सरकार का राजभवन से मंत्रालय तक मार्च

मोहन यादव कैबिनेट ने राज्यपाल को दिया कामकाज का ब्योरा, फिर कैबिनेट बैठक

स्टार्टअप पर फोकस, मालवा व चंबल तक 12 जिलों में नदी लिंक से पहुंचेगा पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज का दिन मप्र की मोहन यादव सरकार के लिये सुबह से व्यस्त-सा रहा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सीएम यादव समेत उनके मंत्रिमंडल को सुबह राजभवन चाय पर बुलाया,और सरकार के कामकाज को लेकर बातचीत की। मुख्यमंत्री व सभी मंत्री सुबह दस बजे राजभवन पहुंच गये थे। मंत्रिमंडल विस्तार के करीब महीनेभर बाद यह पहला अवसर रहा जब सभी मंत्री एक साथ राजभवन में उपस्थित हुए। इसे राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट कहा गया है। हालांकि मुख्यमंत्री व मंत्रियों ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी कार्यों के विषय में भी उन्हें अवगत कराया। यह चाय पे चर्चा करीब आधा घंटे चली। इसके बाद सभी मंत्री यहां से कैबिनेट बैठक के लिये मंत्रालय रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने पार्वती -काली सिंध- चंबल लिंक परियोजना के लिए धन्यवाद दिया तथा बताया कि फरवरी माह में केन -बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन होगा। इससे मप्र के मालवा और चंबल क्षेत्र के 12 जिले और पूर्वी राजस्थान के 13 जिले लाभान्वित होंगे, इन क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी तथा, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए भी पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि 75 हजार करोड़ की इस परियोजना में राज्यांश मात्र 10 प्रतिशत है, केन- बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन फरवरी में होगा। बताया कि कृषि और उद्योग संबंधी सुझावों के क्रियान्वयन पर विचार के लिए टास्क फोर्स बनेगा। कैबिनेट बैठक में स्टार्टअप नीति में संशोधन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, इसे हरी झंडी मिली। इसके तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम विभाग ने प्रस्तावित किया था कि राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए स्टार्टअप को प्रोत्साहन राशि दी जाए। दरअसल स्टार्टअप से जुड़ी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए पंजीयन कराना होता है। इसका शुल्क अधिक होता है, जिसके कारण स्टार्टअप इनमें सम्मिलित नहीं होते हैं।

राज्यपाल संग सरकार की चाय पे चर्चा

सरकार ने महंगाई को थामाः राष्ट्रपति

ससंद सत्र शुरू

आज से संसद के बजट सत्र की शुरुआत भी हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि बीता वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने सांसदों को महिला आरक्षण कानून बनाने के लिए बधाई भी दी तथा एशियन गेम्स के इतिहास में सबसे अधिक मेडल, चंद्रयान-तीन की सफलता, राम मंदिर निर्माण का सपना पूरा होने का जिक्र किया। राष्ट्रपति के ऐसा कहने पर सदन के भीतर मौजूद सांसदों ने मेज थपथपाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की आकांक्षा सदियों से थी, जो इस साल पूरी हुई है। गुलामी के दौर में बने कानून अब इतिहास का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म करने के लिए सरकार ने कड़े कानूनी प्रावधान किए। मुर्मू ने कहा कि देश में 15 नवंबर से विकसित भारत संपर्क यात्रा चल रही है अभी तक इस यात्रा से करीब 19 करोड़ देशवासी जुड़ चुकी है। सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा और सामान्य भारतीयों का बोझ नहीं बढ़ने दिया। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि नई संसद भवन में उनका पहला संबोधन है। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू शाही बग्घी में सवार होकर अंगरक्षकों के साथ नए संसद भवन पहुंचीं।

मोदी ने हुडदंगी सांसदों को दिए संदेश

बजट सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने हंगामा करने वाले दलों पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग आदतन हुड़दंग करते हैं। ऐसे बर्ताव से लोकतंत्र का चीरहरण होता है। उन्होंने सांसदों से चुनाव से पहले आहूत संसद सत्र में सार्थक चर्चा की अपील करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी के बजट भाषण में सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों की तस्वीर पेश करेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी सांसद आज जब आखिरी सत्र में मिल रहे हैं, तब जरूर आत्मनिरीक्षण करेंगे कि बीते 10 साल में उन्होंने जो किया, वह किसी को भी याद नहीं होगा। आज मीडिया से मोदी ने संबोधन की शुरुआत 'राम-राम' के साथ की।

23 किलो सोना सरेंडर किया पीयूष जैन ने

कानपुर एजेसी। मशहूर इत्र कारोबारी पीयूष जैन तीन साल बाद फिर चर्चा में हैं। जैन वही कारोबारी हैं जिनके ठिकानों पर 3 साल पहले डीजीजीआई ने छापा मारा था तथा करीब 197 करोड़ रुपये कैश बरामद किया था। इस दौरान ही 23 किलोग्राम सोने के बिस्किट भी मिले थे। अब इसी 23 किलो सोने को जैन ने सरेंडर कर दिया है। इस मामले में पीयूष जैन जेल चले गए थे। मगर अब जैन की तरफ से कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई गई है कि मेरे यहां से जो 23 किलो सोना कस्टम ने बरामद दिखाया है, उसको कंपाउंडिंग कर दिया जाए।जबकि इसके पहले जैन ने सोने पर अपना दावा ठोका था, जिसकी 60 लाख पेनाल्टी भी जमा करके अपने पक्ष में रिलीज करने की अपील लगाई थी।

हादसाः मानवेंद्र के लिए बना 150 किमी का ग्रीन कॉरिडोर

नई दिल्ली ,एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह के पुत्र व पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह राजस्थान के अलवर में परिवार समेत कार हादसे का शिकार हो गए। उनकी कार डिवाइडर से टकराकर दुर्घनाग्रस्त हो गई। हादसे में मानवेंद्र की पत्नी चित्रा सिंह की मौत हो गई है, जबकि मानवेंद्र, उनके बेटे हमीर व ड्राइवर गंभीर रूप से घायल। डाक्टर्स ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को अलवर से गुरुग्राम रेफर किया इसके लिये 150 किमी दूर गुरुग्राम के पारस हॉस्पिटल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ है। हादसे के बाद घायलों को तुरंत अलवर के अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने बताया कि मानवेन्द्र की पसलियों और हाथ में फ्रैक्चर है। उनकी पत्नी चित्रा सिंह के शव को एंबुलेंस के जरिए जोधपुर भेजा गया है।

पर्यटन स्थल नहीं मंदिर, गैर हिंदु को सशर्त प्रवेशः कोर्ट

चेन्नई, एजेसी। मद्रास हाई कोर्ट ने मंदिरों में प्रवेश को लेकर अपने फैसले में कहा है कि एक मंदिर पर्यटन या पिकनिक स्थल नहीं है। गैर हिंदू तमिलनाडु के मंदिरों में प्रवेश नहीं कर सकते। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर गैर हिंदू मंदिरों में वे प्रवेश करते हैं तो उन्हें अंडरटेकिंग देनी होगी कि वे देवी देवताओं में विश्वास करते हैं और हिंदू धर्म की परंपराओं का पालन करने के लिए तैयार हैं। हाई कोर्ट ने तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग को राज्य के सभी मंदिरों में बोर्ड लगाने का निर्देश दिया है। इन बोर्डों में लिखा जाएगा कि कोडिमारम के आगे गैर-हिंदुओं को मंदिर के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। कोडिमारम मुख्य प्रवेश द्वार के तुरंत बाद और गर्भगृह से बहुत पहले स्थित है।

क्रिकेटर अग्रवाल मंयक को हवाईजहाज में जहर!

अगरतला , एजेंसी।

भारतीय क्रिकेटर मयंक अग्रवाल के साथ फ्लाइट में क्या हुआ, यह अब पुलिस की जांच का विषय बन गया है। बीमार पड़ने और हॉस्पिटल में एडमिट होने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। मामला जहर जैसा दिख रहा है। दरअसल लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे ओपनर मयंक फिलहाल रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। कर्नाटक की कप्तानी करते हुए त्रिपुरा के खिलाफ दोनों पारियों में उन्होंने 51 और 17 रन बनाए, इसके बाद टीम के अगले मैच के लिए दिल्ली होते हुए सूरत जाने के लिए इंडिगो की फ्लाइट में चढ़े थे। 32 वर्षीय मयंक ने किसी साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस में कहा कि उन्होंने पानी समझकर एक पाउच से पेय पदार्थ पीया था जो विमान में उनकी सीट पर रखा था। इसे पीने के बाद वे बीमार पड़ गए। उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। अब मयंक सूरत में रेलवे के खिलाफ टीम का अगला रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेलेंगे। उन्होंने भारत के लिए 21 टेस्ट खेले हैं। पुलिस का कहना है कि सीट पर रखा पेय पदार्थ पीते ही अचानक उनके मुंह में जलन होने लगी और वह कुछ बोल भी नहीं पाए और उन्हें आईएलएस अस्पताल लाया गया। उनके मुंह में सूजन और छाले थे।

डिंपल को टिकट देकर फंसे अखिलेश, करीबी ने सपा छोड़ी

लखनऊ , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी ने यूपी में 16 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर तो दिये हैं लेकिन कुछ बखेडे भी मोल ले लिये हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी सीट से टिकट दिया है, लेकिन मैनपुरी में सपा नेता और उद्योगपति मनोज यादव ने पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी है। मनोज को अखिलेश का करीबी माना जाता है। वे आरसीएल ग्रुप के चेयरमैन हैं। उन्होंने सपा में पारिवारिक कलह अधिक होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर नेताओं द्वारा चाटुकारिता और एक-दूसरे की टांग खींचने का आरोप लगाया है।

मेट्रो एंकर

हिमाचल में पहली बर्फबारी, दिल्ली में सब कुछ 'गुम'

पहाड़ों पर गिरी बर्फ, मैदानों में बरसेगी ठंड

नई दिल्ली, एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में आज बारिश और बर्फबारी ऑरेंज अलर्ट के शुरू हो गई है। हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाके बर्फ से लकदक हो गए हैं। शिमला के नरकंडा, लाहौल के केलांग में बर्फबारी हो रही है नए साल की पहली बर्फबारी के बाद शिमला-रामपुर हाईवे यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। कश्मीर में भी बर्फबारी शुरू हो गई है। उप्र बिहार समेत उत्तरभारत के कई इलाके कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं।

दूसरी तरफ दिल्ली में आज बेहद घना कोहरा है और पचास मीटर दूर देखना मुश्किल है। घने कोहरे की वजह से सड़क से लेकर हवाई यातायात तक प्रभावित हुआ है। कई ट्रेनें विलंबित और रद्द होने से यात्रियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिन में तेज हवाओं और बारिश के आसार हैं। हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे की मोटी परत छाए रहने के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 50 से अधिक उड़ानों में देरी हुई।

मप्र में लौटेगी ठंड

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मध्यप्रदेश में बादल छाने लगे हैं। इससे रात में कड़ाके की ठंड से थोडी राहत मिली है। मंगलवार की रात में 27 शहरों में अधिकतम टेम्प्रेचर 12 डिग्री से अधिक रहा। वहीं, दिन में कई शहरों में टेम्प्रेचर में गिरावट हुई। इससे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत 16 शहरों में अधिकतम तापमान 27 डिग्री से कम रहा। मौसम वैज्ञानिको की मानें, तो 5 फरवरी तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद तेज ठंड का एक दौर आ सकता है।

मुलाकात भोपाल। आज भोपाल सासंद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर 18वें सन्यास दिवस पर आयोजित समारोह में विभिन्न वर्ग के लोगों ने उनसे भेंट की और आर्शीवाद लिया।

भोज विवि : व्यक्तित्व विकास पर आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

जीवन में कुल पांच कोश हैं, जो व्यक्ति का व्यक्तित्व निर्धारित करते हैं : डॉ. कोठारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जीवन में कुल पांच कोश हैं, जो व्यक्ति का व्यक्तित्व निर्धारित करते हैं। भारत में व्यक्तित्व ही चरित्र का आधार होता है। जीवन में जो अच्छे मूल्यों को लेकर सही रास्ते पर चलता है वह ही नैतिक कहलाता है। यह बात शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली और विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक कड़ेल,

संचालक, मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो संजय तिवारी द्वारा की गई। राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने जीवन में प्रतिदिन उपयोग होने वाले पांच कोशों से भी परिचित कराया। डॉ. कोठारी ने सभी पांचो कोषों को विस्तार पूर्वक उदाहरण सहित समझाते हुए अंत में कहा कि जीवन में किसी की मदद करना और उसे अच्छे मुकाम तक पहुंचाना ही जीवन का परम आनंद है एवं निस्वार्थ भावना से सेवा करना ही आध्यात्मिकता है।

सही संस्कार ही व्यक्तित्व विकास करता है : प्रो. संजय तिवारी : मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि रामलला तो आ गए पर राम राज्य कब आएगा यह हमें तय करना होगा। ज्ञान अर्जन करने से व्यक्ति में सौम्यता नहीं आती, सही संस्कार ही व्यक्तित्व विकास करता है। अंत में उन्होंने कहा की कौशल विकास का सपना व्यक्तित्व विकास से ही पूरा होगा, इसलिए व्यक्ति का विकास नहीं व्यक्तित्व विकास जरूरी है।

अस्पतालों ने आश्वासन देकर ननि अफसरों को टरकाया

तालाब गंदा कर रहे अस्पतालों से पेनाल्टी वसूलने का पहला प्रयास हुआ नाकाम!

भोपाल दोपहर मेट्रो।

पुराने शहर में मोतिया तालाब और नवाब सिद्दीक हसन तालाब में गंदगी फैलाने के मामले में दोषी पाए गए 41 अस्पतालों से पेनाल्टी वसूली में नगर निगम हिचक रहा है। इन्हें ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दोषी पाया है। जिसके बाद तालाब किनारे संचालित अस्पतालों पर 1.47 करोड़ रूपए की पेनाल्टी लगाई थी। इसे वसूलने की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी गई थी। बताया जाता है कि नगर निगम अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में वसूली करने गई टीम, बिना कार्रवाई वापस लौट आई।

हालांकि बताया जा रहा कि पेनाल्टी नहीं देने पर टीम एलबीएस अस्पताल पर कार्रवाई की तैयारी कर रही थी कि अस्पताल प्रबंधन ने दो घंटे में भुगतान का भरोसा दिला दिया मगर अस्पताल ने पेनाल्टी नहीं दी। अब आज फिर ननि टीम दोबारा यहां कार्रवाई के लिए पहुंचने की तैयारी में है। इसी तरह एनजीटी द्वारा लगाई गई पेनाल्टी के बाद नगर निगम ने करीब 41 अस्पतालों को नोटिस थमाए थे। लेकिन नोटिस पीरियड में भी अस्पतालों ने पेनाल्टी की राशि नहीं जमा की। अब आज अस्पताल के खिलाफ निगम प्रशासन कार्रवाई करेगा। अधिकारियों का कहना है कि एलबीएस अस्पताल से 19.37 लाख, एलबीएस हार्ट अस्पताल से 16.11 लाख, पारस अस्पताल से 5.1 लाख, बालाजी से 4.8, सूनिक से 6.4, एबीएम से 12.85, भोपाल केयर से 12.85, सिल्वर लाइन से 9.6 लाख रुपये समेत अन्य अस्पतालों से कुल 1.47 करोड़ रुपये की वसूली करना है।

नगर निगम ने एनजीटी के एक्शन के बाद नवाब सिद्दीक हसन तालाब और मोतिया तालाब किनारे संचालित 41 अस्पतालों को नोटिस थमाए हैं। इनमें किलकारी

फाइल फोटो

चिल्ड्रन अस्पताल सहित सरदार पटेल पालीक्लीनिक, नेचर अस्पताल, आराम क्लीनिक, डॉ. जयंत यादव, केयर एण्ड स्माईल डेंटल, आस्था ऑर्थोपेटिक, नोबल डाईग्नोस्टिक, समाधान पैथोलॉजी, डॉ. रिचा डाईग्नोस्टिक, एयर हॉरीजोन ट्रेवल्स, डॉ. अनिल बलेचा, हाईटेक केयर, स्माईल मेकर, इंडियन बैंक, शिल्पा डोडानी, हमीदिया मल्टीकेयर, बनवारी लैब, सुभम अस्पताल, भोपाल केयर हॉस्पिटल, एबीएम मल्टी हॉस्पिटल, सिल्वर लाईन, डॉ. पैथ लेब, सेंट्रल हॉस्पिटल, सिटी केयर, संजीवनी डी-केयर, मानस ब्लड बैंक, यूनिक हॉस्पिटल, आर्थोपेड लेब, बालाजी चिल्ड्रन, पाराक पैथॉलाजी, ईप्कृपा इंडोस्कॉपी, एलबीएस हार्ट, एलबीएस इमरजेंसी हॉस्पिटल, रिचा डाईग्नोस्टिक, आशिर्वाद मेडिकल, यशोदा हॉस्पिटल, डॉ. टंकवाल नोस सेंटर, पैथ केयर, डॉ. लाल पैथ और पारस अस्पताल पर पेनाल्टी लगाई गई है।

आज 5 मकान तोड़ने दस्ता पहुंचा

शाहजहांनाबाद स्थित नवाब सिद्दीक हसन खां तालाब को अतिक्रमणमुक्त बनाने के लिए यहां अवैध रूप से बने भवनों को तोड़ा जाएगा। यह कार्रवाई नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश पर बुधवार को हो रही है। कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति से बचने के लिए नगर निगम के मुख्य नगर निवेशक नीरज आंनद लिखार ने पुलिस उपायुक्त को पत्र लिखकर पर्याप्त पुलिस बल की मांग की है।

न्यायालय ने आरोपी पर लगाया 20 हजार रुपए का जुर्माना

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर लिया ऋण, 3 साल की जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) राजीव के. पाल की अदालत ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ऋण लेने वाले आरोपियों को 3 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक के अनुसार, गंगा जमुना गृह निर्माण संस्था के तत्कालीन अध्यक्ष के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भवन निर्माण के लिए आवास संघ से ऋण लेकर छल किया गया। मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी अरुण मेहरा को 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं आरोपी रामकुमार पंचोली, चंद्रकला, कलसुम

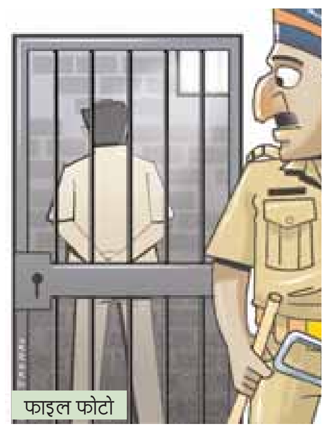

फाइल फोटो

बी को 3-3 वर्ष का कारावास एवं कुल 15,000 रूपए का जुर्माने से दण्डित किया गया।

2004 में ई.ओ.डब्ल्यू. में प्रथम सूचना रिपोर्ट हुई थी दर्ज

लोक अभियोजक के अनुसार, वर्ष 1994-95 से 1998-99 के बीच गंगा जमुना गह निर्माण संस्था के तत्कालीन क्षेत्रीय अधिकारी अरुण मेहरा एवं सदस्य रामकुमार पंचोली, चंद्रकला, कलसुम बी के द्वारा गंगा जमुना गृह निर्माण संस्था के सदस्यों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भवन निर्माण हेतु आवास संघ से ऋण लेकर छल किया। आरोपियों के विरुद्ध 4 फरवरी 2004 को ई.ओ.डब्ल्यू. भोपाल में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई। 20 जून 2015 को न्यायालय के समक्ष चालान प्रस्तुत किया गया। जिसमें न्यायालय द्वारा आरोपियों को उक्त सजा सुनाई गई है।

एम्स: नि:संतान दंपती के लिए जल्द आईवीएफ सुविधा शुरू

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के एम्स में निस्संतान दंपती के लिए जल्द ही आईवीएफ सुविधा शुरू होने जा रही है। एम्स डायरेक्टर डॉ अजय सिंह ने जल्द से जल्द आईवीएफ सुविधा स्थापित करने की दिशा में काम करने के लिए प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को बधाई भी दी है। दरअसल एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के स्थापना दिवस के मौके पर इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और भ्रूण स्थानांतरण (ईटी) पर एक सीएमई का भी आयोजन किया गया था। जिसमें आईवीएफ-ईटी और हिस्टेरोस्कोपी तकनीक का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने इस बात की सराहना की कि स्थापना दिवस में आईवीएफ तकनीकों के प्रदर्शन के साथ आईवीएफ-ईटी जैसे प्रासंगिक विषय पर एक सीएमई भी शामिल की गई है।

जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। ज्वाला कान्वेंट स्कूल में शिक्षाविद समाजसेविका इंदिरा बतरा की स्मृति में जरूरतमंद बच्चों को शिक्षाण सामग्री वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदू हेल्पलाइन के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश रायचांदनी ने की। अतिथियों ने इंदिरा बतरा के जीवन पर प्रकाश डाला। पंचायत के उपाध्यक्ष नंदकुमार दादलानी ने इंदिरा बतरा की स्मृति में गरीब बस्तियों में जाकर भोजन भी कराया।

'आशीर्वाद से बड़ी कोई शक्ति नहीं, मां-बाप, गुरु की सेवा से बड़ी कोई भक्ति नहीं'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अनन्दराम टी शाहानी कन्या विद्यालय में 12वीं की छात्राओं को आशीर्वाद समारोह विदाई दी गई। जहां वरिष्ठ छात्राओं ने कनिष्ठ साथियों को ज्ञान ज्योति सौंपकर विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया। वहीं, विशिष्ठजनों ने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं संत हिरदारामजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलन के साथ हुआ। 11वीं और 12वीं की छात्राओं ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन को अपनी सफलता का श्रेय दिया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय कन्या उच्चतर माधयमिक विद्यालय के प्राचार्य के सी वर्मा एवं सहायक सुनीता तोमर ने कहा कि जीवन में अनुशासन, नम्रता होना सफलता की सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के संस्कार ही हमें आगे बढ़ने के लिए काम आते हैं माता पिता और गुरु

ईश्वर के रूप हैं उनका आशीर्वाद हमेशा लेना चाहिए।

सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहानी ने छात्र परिषद की सदस्यों को स्मृति चिन्ह एवं कक्षा 12 के विद्यार्थीओ को अवार्ड देकर सम्मानित किया। 12वीं की छात्राओं ने 11वीं के बच्चों को ज्ञान ज्योति प्रदान की। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर संस्था के वासदेव वाधवानी, महेश दयारामानी, राजेश हिंगोरानी, सुरेश राजपाल, सहसचिव दिनेश वाधवानी, कन्हैयालाल रामनानी, नवयुवक सभा द्वारा संचालित विद्यालयों एवं महाविद्यालय के प्राचार्यगण मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | संतनगर के स्कूलों में बापू को किया याद

सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर संतनगर के विद्यालयों में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। कांग्रेसियों ने मुख्यमार्ग पर लगी बापूजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

साधु वासवानी स्कूल में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बापू के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वल एवं माल्यार्पण किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा महात्मा गांधी महान व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि एक आंदोलनकारी थे। उन्होंने सभी से शांतिपूर्वक तरीके से जीने का अनुरोध किया वह सत्य व अहिंसा के पुजारी, गरीबों व हरिजनों के मसीहा, दया व प्रेम की मूरत थे, वे भारत के लोकप्रिय नेता थे महात्मा गांधी ही एकमात्र व्यक्ति थे उन्होंने हमें अहिंसा के बल पर आजादी दिलाई। विद्यालय के छात्रा मेघा एवं छात्र मानव ने भी अपने विचार रखे। द्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वच्छता दिवस : शहीद हेमू कालानी एज्युकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित कला लक्ष्मण दास वेंसीमल गनवानी फाउंडेशन स्कूल एवं केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गई। विद्यालय की प्राचार्य सुमन विश्वकर्मा एवं शिक्षिकाओं के साथ बच्चों ने बापू के चित्र पर माल्यार्पण किया।

बापू के बताए मार्ग पर चल रही है कांग्रेस-मारण

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने महात्मा गांधीजी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य चौराहे स्थित प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि गांधी जी ने हमेशा हिंसा छोडकर अहिंसा पर चलने की प्रेरणा दी आज उसी मार्ग पर कांग्रेस भी आगे बढ़ रही है। उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने कहा कि दुनिया गांधीजी का गुणगान करती है, लेकिन दुख की बात है किदेश के कुछ राजनीतिक दल गांधी जी के हत्यारे गोडसे का गुणगान करते हैं। यहां पर कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने किया।

सिंधी अकादमी ने संस्कार के विद्यार्थियों को सम्मानित किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में मंगलवार को प्रातः प्रार्थना में संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। सिंधी साहित्य अकादमी ने पत्रिका में आलेख लिखने पर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। अकादमी ने छात्र कृष्णा टिमानी द्वारा कविता और राहुल केसवानी द्वारा लिखा गया अनुच्छेद के लिए प्रोत्साहन राशि 1000-1000 रूपए का चेक एवं पुस्तक देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि विद्यालय हमेशा विद्यार्थियों को इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम में प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या श्री मृदुला गौतम समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

अब मेडिकल छात्रों को मिलेगी राहत लीविंग बांड की बाध्यता होगी खत्म!

एनएमसी ने पीजी स्टूडेंट्स के सुसाइड का किया जिक्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य में मेडिकल कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को बहुत बड़ी राहत मिलने के आसार बन रहे हैं। दरअसल, नेशनल मेडिकल कमीशन ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर यह सुझाव दिया है कि सीट लीविंग बांड की बाध्यता खत्म कर दी जाए, ताकि स्टूडेंट्स पर मानसिक दबाव को कम किया जा सके। एनएमसी ने पत्र में भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में पीजी स्टूडेंट्स रही डॉ. आकांक्षा महेश्वरी के सुसाइड केस का भी उल्लेख किया है। हालांकि आयोग ने यह भी कहा है कि राज्य सरकार चाहे तो संबंधित छात्र को एक वर्ष के लिए प्रवेश परीक्षा में शामिल न होने का प्रतिबंध लगा सकती है, लेकिन लाखों रुपये की जुर्माना राशि छात्रों को मानसिक तौर पर प्रताड़ित करती है। लिहाजा ऐसा सहायक वातावरण बनाया जाए, जिससे चिकित्सा शिक्षा के छात्रों व रेजिडेंट डॉक्टरों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को हल किया जा सके।

प्रासंगिक नीति नहीं

एनएमसी के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अरुणा वी वणिकर का मानना है कि यह नीति अब प्रासंगिक नहीं है। क्योंकि पिछले 10 वर्षों में सीटों की संख्या में खासी वृद्धि हुई है। अब पहले की तरह सीमित सीटें नहीं हैं, जिससे इस बात की आशंका हो कि कोई छात्र सीट छोड़ेगा। अब मेडिकल शिक्षा की सीटों में पर्याप्त वृद्धि हो चुकी है और कांउसलिंग में पात्र छात्र नहीं मिलने पर सीटें खाली रह जाती हैं। वहीं डॉ. एके श्रीवास्तव, संचालक चिकित्सा शिक्षा का कहना है कि एनएमसी का पत्र मिला है, यह एक तरह का सुझाव है। इस पर शासन स्तर पर ही कोई उचित निर्णय हो सकता है।

गरीब छात्रों को मिलेगी राहत

माना जाता है कि इस नीति को खत्म करने से सबसे ज्यादा फायदा उन गरीब छात्रों को मिलेगा, जो कई बार सिर्फ इस वजह से दाखिला नहीं ले पाते हैं कि क्योंकि उनके पास बांड के तौर पर चुकाने के लिए भारी-भरकम राशि नहीं होती है। इसके अलावा उन छात्रों को भी इसका फायदा मिलेगा, जो किन्हीं अपरिहार्य कारणों से पढ़ाई बीच में छोड़ना चाहते हैं। डा वणिकर के मुताबिक मप्र के एक कॉलेज की पीजी छात्रा को लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ी। वह सीट छोड़ना चाहती है, लेकिन कॉलेज ने उसे 30 लाख रुपए का जुर्माना देने का नियम बताया। आर्थिक रुप से कमजोर होने के कारण छात्रा के पिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख शिकायत की थी।

छात्रों के बीच तनाव व अवसाद

डॉ. वणिकर ने कहा है कि आयोग को कई शिकायतें मिली हैं, जो विभिन्न संस्थानों में छात्रों के बीच तनाव, चिंता और अवसाद के खतरनाक स्तर का संकेत करती हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए कई बार मानसिक राहत पाने में सबसे बड़ी बाधा यही जुर्माने की राशि होती है। यह भारी भरकम रकम न केवल छात्रों पर वित्तीय दबाव बढ़ाती है, बल्कि आगे बढ़ने में बाधा भी बनती है।

गेहूं खरीदी पंजीयन 5 से, प्रति क्विंटल 425 रु. का नुकसान कौन भरेगा तय नहीं

केंद्र ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपए तय किया

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में कहा था 2700 रुपए में खरीदेंगे

जीतू पटवारी बोले- किसानों के साथ धोखा कर रही भाजपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन 5 फरवरी से होना है लेकिन अब तक यह तय नहीं हुआ है कि किसानों को 2700 रुपये प्रति क्विंटल के दाम मिलेंगे भी या नहीं। कांग्रेस ने किसानों के हित की इस बात को मुद्दा बना लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में कहा है कि खरीदी के लिए पंजीयन की तारीख नजदीक है और सरकार ने वादे के मुताबिक अब तक स्पष्ट नहीं किया कि किसान को प्रति क्विंटल कितने रुपये मिलेंगे।

असल में पिछली बार 2125 रुपये प्रति क्विंटल के दाम पर किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदा था। शिवराज सिंह चौहान की सरकार के समय विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने घोषणा की थी कि अगले साल यानी इस बार 2700 रुपये प्रति क्विंटल दाम देंगे। मार्च में गेहूं खरीदी शुरू होने वाली है, जिसके लिए पंजीयन की तारीख नजदीक है। उधर केंद्र सरकार अक्टूबर में ही अनजा खरीदी की एमएसपी निर्धारित कर चुकी है जिसमें गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल तय कर दिया है जो भाजपा के 2700 रुपये प्रति क्विंटल खरीदी के दावे से 425 रुपये प्रति क्विंटल कम है।

किसानों में नाराजगी

कांग्रेस ही नहीं बल्कि किसानों में भी असंतोष है। किसानों का कहना है कि खरीदी के पहले समर्थन मूल्य तो तय हो गया लेकिन वादे के अनुरूप अंतर की राशि के भुगतान के बारे में भी सरकार को समय से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भारतीय किसान यूनियन के किसान नेता सुरेंद्र सिंह राजपूत का कहना है कि किसान पहले से नुकसान में है और उनके भ्रम की स्थिति पैदा करना अच्छा नहीं होगा। सरकार को अंतर की राशि बोनस के रूप में देने की घोषणा पंजीयन से पहले करनी चाहिए। साथ ही पंजीयन की प्रक्रिया को भी सरल करना चाहिए। इस बार बहुत जटिल बना दिया है।

आज सेवानिवृत्त होंगे वनबल प्रमुख, वविनि व वाइल्ड लाइफ हो जाएंगे खाली

सरकार में अटकी वाइल्ड लाइफ वार्डन और प्रबंध संचालक की नियुक्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन बल प्रमुख अभय कुमार पाटिल आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं जिनकी जगह पीसीसीएफ वन्यप्राणी चीफ असीम श्रीवास्तव लेंगे। इसी के साथ वन्यप्राणी और वन विकास निगम खाली हो जाएंगे। यानी ये दोनों ही प्रमुख शाखा बिना मुखिया के हो जाएंगी। असल में अभय कुमार पाटिल वन बल प्रमुख तो है ही साथ में वन विकास निगम का जिम्मा भी संभाल रहे थे जो शाम को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वहीं वन्यप्राणी शाखा के मुखिया प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव को पाटिल के बाद वन बल प्रमुख बना दिया है, जो गुरुवार से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। सूत्रों के मुताबिक इन दोनों शाखाओं में नियुक्ति पाने के लिए कुछ वरिष्ठ आईएफएस लगे हुए हैं लेकिन फाइलें आगे नहीं बढ़ रही है।

यह हुआ था

असल में अभय कुमार पाटिल को दिसंबर 2023 में वन बल प्रमुख बनाया था। उनका कार्यकाल एक माह का था, जो 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। उसके पहले वह वन विकास निगम के प्रबंध संचालक थे जब उन्हें वन बल प्रमुख बनाया तो उनकी जगह निगम में नए प्रबंध संचालक की नियुक्ति नहीं की थी। सरकार ने वन बल प्रमुख के पद पर असीम श्रीवास्तव की नियुक्ति के आदेश सोमवार को ही कर दिए थे लेकिन वन्यप्राणी का जिम्मा किसी को नहीं दिया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं व 11वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 10 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़ में कक्षा 9वीं -11वीं में प्रवेश के लिए पार्श्व प्रवेश परीक्षा - 2024, शनिवार 10 फरवरी 2024 को भोपाल जिले के दो केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा के प्रवेश-पत्र ऑनलाइन उपलब्ध है। इसके अलावा यदि आपको प्रवेश-पत्र प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो दूरभाष 0755-2896325 एवं मोबाइल नंबर 95843-59571 पर सपंर्क किया जा सकता है।

कांग्रेस ने वीडी से मांगा सांसद निधि का हिसाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो। खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के सासंद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा से कांग्रेस नेताओं ने सांसद निधि का हिसाब पूछा है। कांग्रेस नेता व महामंत्री वीरेंद्र द्विवेदी ने आरोप लगाया है कि शर्मा ने पांच वर्ष के दौरान संसदीय क्षेत्र में एक भी ऐसा बडा काम नही किया है जिसे वह आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान आम जनता को बता सकें। इसके उलट वे सांसद निधि की जानकारी न देकर विपक्ष के नेताओ को मूर्ख सहित अन्य शब्दो से संबोंधित कर रहें है। द्विवेदी ने सांसद पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दिनों पन्ना प्रवास पर आये कांग्रेस के खजुराहो लोकसभा प्रभारी पूर्व विधायक संजय यादव ने पत्रकारवार्ता के दौरान सांसद निधि तथा कोई भी उपलब्धि नही होने का आरोप लगाया था तो सांसद शर्मा बौखला गये थे तथा उन्होने यादव को मूर्ख तक कह डाला, लेकिन उन्होने यह नही बताया कि लोकसभा क्षेत्र मे ऐसी क्या बडी उपलब्धी हासिल की जिससे क्षेत्र के लोगो को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ, सहित अन्य प्रकार से फायदा हुआ है। साथ ही पांच वर्ष वर्ष के दौरान मिलने वाली सांसद निधि को किन कार्यो मे लगाया गया है। यहां तक कि पन्ना जिले मे स्थापित जेके सीमेंट प्लांट मे भी स्थानीय किसानो की जमीन अधिग्रहित की लेकिन क्षेत्र के बेरोजगारों को कोई भी रोजगार नही दिया गया है।

श्रवण बाधित विद्यार्थियों और शिक्षकों को राहत, आधारभूत कौशल पाठ्यक्रम तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र ने किया तैयार

प्रदेश में श्रवण बाधित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र ने 30 से 40 घंटे का आधारभूत कौशल कोर्स तैयार किया गया है। श्रवण बाधित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह कोर्स प्रशिक्षण केन्द्र की वेबसाइट पर, यू-ट्यूब चेनल की लिंक पर तथा क्यू-आर कोड से डाउनलोड किया जा सकता है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी जिला कलेक्टर कोपत्र लिखकर कहा है कि जिला शिक्षा, जनपद और जनशिक्षा केन्द्रों के माध्यम से सभी स्कूलों में यह कोर्स बच्चों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जिससे उन्हें अध्ययन में सुविधा हो सके। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जिला परियोजना समन्वयक राज्य शिक्षा केन्द्र कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षा में तृतीय भाषा को लेकर निर्देश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कक्षा 5 व 8 के दृष्टिबाधित छात्रों के लिये गणित विषय के स्थान पर संगीत विषय का विकल्प चयन करने का प्रावधान है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने परीक्षा सत्र 2023-24 में कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक परीक्षा में तृतीय भाषा के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। तृतीय भाषा अशासकीय शालाओं में मांग के अनुसार पंजाबी, गुजराती, उड़िया और संस्कृत है। कक्षा 8 में तृतीय भाषा के रूप में पंजाबी, गुजराती और उड़िया भाषा एवं राजगढ़ व बुरहानपुर जिलों में जिलों के अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 5 में शालाओं की मांग के क्रम में अतिरिक्त भाषा के रूप में संस्कृत विषय का बच्चों को अध्ययन कराया गया है।

प्रश्न पत्र डाइट स्तर पर निर्मित कराये: राज्य शिक्षा केन्द्र में इन विषयों के प्रश्न पत्र डाइट स्तर पर निर्मित कराये जाने के संबंध में निर्देश दिये हैं। निर्देशों में कहा गया है कि जिले में दर्ज इन विषयों के बच्चों की वास्तविक संख्या के अनुसार प्रश्न पत्रों का निर्माण पूरी गोपनीयता के साथ समय-सीमा में किया जाए। इसका उत्तरदायित्व संबंधित जिला परियोजना समन्वयक का रहेगा।

मेट्रो एंकर एनुअल स्टेट्स ऑफ एजूकेशन की रिपोर्ट में सामने आए तथ्य

९० फीसदी विद्यार्थी स्मार्ट फोन तो चलाते हैं, लेकिन सुरक्षात्मक फीचर नहीं मालूम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल और जबलपुर के स्कूलों के 90 फीसदी विद्यार्थी स्मार्ट फोन चलाना तो जानते हैं, लेकिन उन्हें मोबाइल के सुरक्षात्मक फीचर के बारे में कुछ भी नहीं मालूम है। स्थिति यह है कि करीब 60 फीसदी छात्र-छात्राएं सोशल मीडिया का पासवर्ड तक चेंज करना नहीं जानते हैं। वह मोबाइल से जुड़ी हुई सुरक्षात्मक गतिविधियां सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाते। केवल 33 प्रतिशत लड़कियां ही सोशल मीडिया पर अपने प्लेटफार्म प्राइवेट कर पाए। वहीं 60 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों को तो सोशल मीडिया का पासवर्ड चेंज करना नहीं आता। ज्यादातर लड़कियों के पास मोबाइल नहीं है। ग्रामीण इलाकों में केवल 14 से 18 वर्ष के लड़कियों में केवल 9 प्रतिशत लड़कियों के पास ही मोबाइल है, लेकिन इतनी कम संख्या होने के बाद भी सोशल मीडिया का दुरुपयोग और इससे उपजने वाली समस्याएं इन इलाकों में देखी जा सकती है। यह आंकड़ा हाल ही में जारी एनुअल स्टेट्स ऑफ एजूकेशन की रिपोर्ट (असर)-2023 की रिपोर्ट में सामने आया है। यह रिपोर्ट भोपाल और जबलपुर के ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश के 26 राज्यों के 28 जिलों में किए गए सर्वे के आधार पर तैयार की है। जिसमें 14-18 वर्ष आयु वर्ग के कुल 34,745 युवाओं से चर्चा की गई।

भोपाल में 22.9 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने स्कूल के बाद छोड़ी पढ़ाई: जबलपुर और भोपाल के गांव में स्कूल की पढ़ाई छोड़ने के बाद छात्र और छात्राएं कहीं नामांकन नहीं करवाते। स्थिति यह है कि भोपाल में करीब 22.9 फीसदी छात्र-छात्राओं ने स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ दी है। न तो यह आगे की पढ़ाई जारी करते हैं और न ही उनकी जानकारी सरकारी आंकड़ों में कहीं होती है। यहां तक की रोजगार विभाग के पास भी उनके आंकड़े नहीं होते। इसी तरह जबलपुर में लगभग 36.5 प्रतिशत बच्चे स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ी है।

68 प्रतिशत पढ़ पाए कक्षा दूसरी का पाठ: सर्वे के अनुसार, भोपाल के 14-18 साल के 68.8 प्रतिशत और जबलपुर के 68 प्रतिशत युवा ही कक्षा दो का पाठ पड़ पाए। वहीं भोपाल के 38.1 प्रतिशत और जबलपुर के 36.2 प्रतिशत युवा ही गणित का सवाल हल कर पाए। छात्रों के लिए अंग्रेजी भी सर्वे में बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई। भोपाल के 50.4 प्रतिशत और जबलपुर के 35.4 प्रतिशत युवा ही अंग्रेजी का वाक्य पड़ पाए।

सुविचार

''फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना,
क्योंकि इस बार शुरुवात शून्य से नहीं अनुभव से होगी।''

– अज्ञात

संपादकीय

बदहाली की जिम्मेदारी किसकी

मौसम की मार जीवन के हर क्षेत्र पर पड़ती है और इस वक्त भी पड़ रही है, क्योंकि अधिकांश राज्यों में तेज ठंड कोहरे के हालात हैं। ऐसे में सार्वजनिक जीवन से जुड़ी सुविधा पर असर पड़ता है लेकिन इन सुविधाओं के साथ नत्थी होने वाली सहूलियतें भी बदहाल हों तो अनुभव बेहद खराब हो जाते हैं। मसलन ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से तो यही सवाल उठता है कि तमाम आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है। आलम तो यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा। दिल्ली से देश के हर कोने में रेलें जाती हैं। ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ है। बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए 'फाग सेफ डिवाइस' यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गा?ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है? विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर शिकायतें बता देती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है। पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है। ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए 'कवच प्रणाली' के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है। प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी।

निशाना

डर है गिरफ्तारी की !

– कृष्णेन्द्र राय

छोड़ दो अब भागना।
दे दो तनिक जवाब।।
राजनीति गरमाई है।
मौसम भी खराब।।
डर है गिरफ्तारी की।
कर्म भी महान।।
है तैयार सवाल।
बना रहे सम्मान।।
उथल-पुथल है भारी।
दें संकोच त्याग।।
धर पकड़ बढ़ रही।
जाएं अब तो जाग।।
छीछालेदर हो रही।
ना करें विलंब।।
है सब कुछ जब साफ़।
फिर कैसा अब दंभ।।

आज का इतिहास

- **1732:** राट्सबॉन्स की संसद ने व्यावहारिक प्रतिबंध स्वीकार किया।
- **1783:** विलियम हर्षेल ने लम्बेडा हरकुलिस को स्टार के रूप में घोषित किया।
- **1785:** वॉरेन हेस्टिंग्स ने काउंसिल की बैठक में अंतिम बार हिस्सा लिया। बैठक के बाद बंगाल के गवर्नर जनरल पद से इस्तीफा दिया।
- **1793:** फ्रेंच क्रांतिकारी युद्धः फ्रांस ने ग्रेट ब्रिटेन और नीदरलैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1797:** लार्ड कॉर्नवालिस ने बंगाल के गवर्नर जनरल के रूप में शपथ ली।
- **1814:** फिलीपींस में मेयॉन ज्वालामुखी फटने से करीब 1,200 लोगों की मौत
- **1827:** बंगाल क्लब ऑफ कलकत्ता की स्थापना हुई।
- **1835:** ईस्ट इंडिया कंपनी ने दार्जिलिंग क्षेत्र को सिक्किम से लीज पर लिया।
- **1835:** मॉरीशस में दासता समाप्त की गई।
- **1842:** विलमेट विश्वविद्यालय सलेम के ओरेगन में स्थापित किया गया।
- **1855:** ईस्ट इंडिया रेलवे का ऑफिशियल उद्घाटन किया।
- **1856:** ऑबर्न विश्वविद्यालय को पहली बार पूर्वी अलबामा पुरुष कॉलेज के रूप में किराए पर लिया गया था।
- **1881:** दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित और पुराने कॉलेज सेंट स्टीफन की स्थापना हुई।
- **1884:** डाक बीमा योजना की शुरुआत हुई थी।
- **1884:** ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी का पहला वॉल्यूम प्रकाशित हुआ।
- **1908:** पुर्तगाल के राजा कार्लोस (प्रथम) और उनके बेटे राजकुमार लुइस फिलीप की लिस्बन में हत्या।
- **1913:** न्यूयॉर्क सिटी के ग्रांड सेंट्रल टर्मिनल का पुनर्निर्माण किया गया और दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन के रूप में फिर से खोला गया।
- **1914:** अभिनेता अवतार किशन हंगल का जन्म।
- **1946:** नार्वे के नेता ट्रेग्वे लाई को संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम महासचिव चुना गया।
- **1949:** प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया का अधिग्रहण किया।
- **1953:** नीदरलैंड, बेल्जियम, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड में आई बाढ़ से 2500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई जिसमें सिर्फ नीदरलैंड में ही 1836 लोग मारे गए।

पूरा न हुआ आदर्श ग्राम का सपना

■ वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

गांवों की स्वायत्तता की बात तो यह है कि गांव सभाओं, ग्राम पंचायतों के न चाहने पर भी खानापूर्ति कर उन्हें पूरे देश में ही नगरों व महानगरों में मिलाया जा रहा है। गांवों की स्वायत्ता के लिए यह आवश्यक है कि गांव पंचायतों के पास अपने संसाधनों के साथ विकास का खाका व अधिकार हो।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

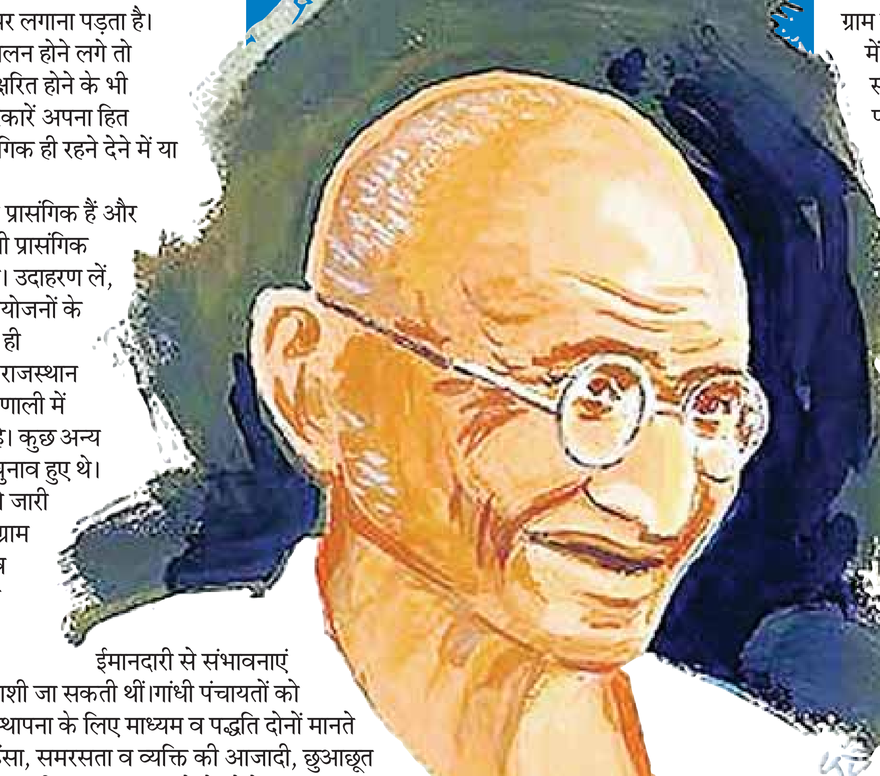

शुक्रवार, 24 सितंबर, 2021 वाशिंगटन, अमेरिका स्थित व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए अमेरिका के राट्रपति जो बाइडन का कहना कि एक सप्ताह बाद विश्व महात्मा गांधी का जन्मदिन मनायेगा। उनका अहिंसा व सहिष्णुता के संदेश आज पहले से ज्यादा महत्व के हैं। शांति के प्रसार स्थापना के संदर्भ में गांधी राह की अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकता तो है ही, यह तो इस कथन से सिद्ध हो गया है। किन्तु जहां तक भारत का संदर्भ है 2 अक्तूबर, 2019 से 2 अक्तूबर, 2020 के बीच बापू के 150वीं वर्षगांठ के सरकारी आयोजन खुद सरकारों के लिए भी औपचारिकता मात्र थी। आमजन तो उससे अछूता ही रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रत्युत्तर में प्रधानमंत्री मोदी ने पृथ्वी को ट्रस्ट मानते हुए बापू के ट्रस्टीशिप सिद्धांत का उल्लेख किया कि जंगलों, नदियों, पहाड़ों व खनिज दोहन में सरकारें व माफिया कितनी चोट पहुंचाते हैं। आमजन को न्यायालयों का रुख करना पड़ता है। जीवन को दांव पर लगाना पड़ता है। दरअसल, गांधी का अनुपालन होने लगे तो राजनेताओं को वोट बैंक क्षरित होने के भी जोखिम हैं। राजनेता व सरकारें अपना हित प्रासंगिक गांधी को अप्रासंगिक ही रहने देने में या बनाने में देख रही हैं।

महात्मा गांधी आज भी प्रासंगिक हैं और गांधी को अपनाना आज भी प्रासंगिक है- दोनों कथन एक नहीं हैं। उदाहरण लें, 150वीं वर्षगांठ राष्ट्रीय आयोजनों के दौरान अक्तूबर, 2019 से ही उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान व उ.प्र. में पंचायती राज प्रणाली में त्रिस्तरीय चुनाव होते ही रहे। कुछ अन्य राज्यों में भी पंचायती उपचुनाव हुए थे। उ.प्र. में तो 2021 में भी ये जारी रहे। इन राज्यों में बापू की ग्राम सुराज, ग्राम स्वराज व गांव गणतंत्र की परिकल्पना को साकार करने के लिए ईमानदारी से संभावनाएं तलाशी जा सकती थीं।गांधी पंचायतों को आदर्श आधारित गणतंत्र स्थापना के लिए माध्यम व पद्धति दोनों मानते थे। पंचायतों में सत्य, अहिंसा, समरसता व व्यक्ति की आजादी, छुआछूत विहीन समाज के सिद्धांतों का भी अनुपालन चाहते थे। ऐसे वातावरण निर्माण के लिए गांधी के आदर्शों के अनुसार बिना राजनीतिक दल के उम्मीदवार बने चुनाव लड़ने की नैतिकता उम्मीदवारों में होनी थी। राजनीतिक दलों में भी दलीय आधार पर पंचायतों में हस्तक्षेप न करने की जो नैतिकता होनी चाहिए थी, वही सबसे पहले तिरोहित हुई।

बापू गांवों के पास राजनीतिक सत्ता चाहते थे। वे आत्मनिर्भर-आत्मनिर्णय कर सकने वाले गांव में आर्थिक प्रजातंत्र व आत्मनिर्भरता की इच्छा रखते थे। किन्तु आज ग्राम पंचायत स्तर के नियोजन में स्वतंत्रता की बात तो छो? दें, जिला पंचायत स्तर पर भी जिला प्रभारी मंत्री, जिला पंचायत योजना प्रस्तावों में कांटछांट करवा देते हैं। कारण यह भी है कि गांवों और ग्राम पंचायतों की आर्थिक संभावनाओं व आय को दयनीय बना दिया गया है। गांधी ग्राम स्वराज में व्यक्ति और ग्रामसभा दोनों को महत्वपूर्ण मानते थे। उनकी अपेक्षा थी कि गांव सभाओं में गांव का आमजन सक्रियता से भाग लेगा तथा वहीं गांव की प्राथमिकतायें व जरूरतें पहचानी जायेंगी। इसके विपरीत ग्रामीण जनसहभागिता का स्तर यह है कि गांव सभाओं व पंचायत समितियों में वैधानिक संख्या कम से कम रखने पर भी कोरम पूरा नहीं होता है। फलत~ अपर्याप्त कोरम में ही प्रस्तावों पर कार्यवाहियों का अधिकार मिलता है। राज्य सरकारें पंचों व पंचायतों को उन सभी अधिकारों, विभाग, वित्तीय कार्य व कर्मचारी देने से भी कतराती हैं जिनकी वे संवैधानिक हकदार हैं। जबकि गांधी ग्राम पंचायतों में विधायिका, न्यायपालिका व प्रशासकीय इकाई का समवेत रूप देखना चाहते थे।

गांवों की स्वायत्तता की बात तो यह है कि गांव सभाओं, ग्राम पंचायतों के न चाहने पर भी खानापूर्ति कर उन्हें पूरे देश में ही नगरों व महानगरों में मिलाया जा रहा है। गांवों की स्वायत्ता के लिए यह आवश्यक है कि गांव पंचायतों के पास अपने संसाधनों के साथ विकास का खाका व अधिकार हो। निस्संदेह, बापू अपने समय में भी किसी गलतफहमी में नहीं थे। वे भी मानते थे कि आदर्श ग्राम पंचायतें बनाना या उनके लिए अभियान चलाना आसान नहीं होगा। एक गांव को ही आदर्श ग्राम पंचायत बनाने में पूरा जीवन भी खप सकता है। गांधी इस कार्य को दुष्कर इसलिए भी मान रहे होंगे कि उस समय आज से ज्यादा समाज में निर्बलों को डर सताता था। व्यक्ति के लिए गांवों के दबंगों के बीच या अपने साहूकारों के बीच अपना विचार रखना आसान न था। खुली ग्राम सभाओं में तो ऐसा करना और ही मुश्किल होता। चुने गये दलित व महिला पंचों, सरपंचों को उनके पूरे हक से काम करने का वातावरण बनाना ग्राम सुराज के लिए आवश्यक है।

जैसे बापू कहते भी थे कि जब तुम्हारा मन इस दुविधा में हो कि कोई कार्य किया जाना चाहिए या नहीं तो ध्यान करो कि तुम्हारे उस काम से समाज के आखिरी आदमी पर क्या असर पड़ेगा। महान स्वतंत्रता सेनानी बापू के प्रति सम्मान दर्शाने को सरकारें राजनेता खुद को परखें, जानें कि उनके निर्णयों से गांवों पर क्या असर पड़ रहा है। हो सके तो उन्हें गांधी के ग्राम सुराज और ग्राम स्वराज की कसौटी पर भी परखें। वर्तमान और भविष्य में राजनीतिक दल व जनता पंचायती चुनावों व ग्राम गणतंत्र को जमीन पर उतारने में जिस तरह का प्रयास करेगी वह भी तय करेगा कि हम गांधी जी को मानते हैं या भुनाते हैं। गांधी गांवों के भारत में प्रासंगिक हैं कि नहीं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

'परीक्षा पे चर्चा' निराशा को अवसरों में बदलने की खिड़की

■ ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान दिया उद्बोधन एवं गुरु मंत्र छात्रों के लिये ऐसा आलोक स्तंभ है जो भविष्य की अजानी राहों एवं परीक्षा के जटिल क्षणों में पांव रखते समय उस आलोक को साथ में रख लिया गया तो उनके मार्ग में कहीं भी अवरोध, तनाव एवं संकट नहीं आ सकेगा। क्योंकि मोदी के ये गुरुमंत्र उनकी समर्थता, सिद्धता, अनुभव एवं साधना से उपजे हैं जो छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों के लिये भी रामबाण औषधि की तरह है। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर छात्रों के अंदर डर और तनाव दोनों होता है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों के भीतर से इस डर और तनाव को समाप्त करने के लिए हर साल 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम करते हैं। इस वर्ष भारत मंडपम, आईटीपीओ, नई दिल्ली में हुए इस अनूठे एवं प्रेरक कार्यक्रम में जहां तकरीबन 4,000 छात्रों ने हिस्सा लिया, वहीं लगभग 2.26 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए थे, जो एक रिकार्ड है। यह परीक्षा पर चर्चा का 7वां संस्करण है, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत करते हुए परीक्षाओं को तनाव का कारण न बनने देने की सीख दी। इस विलक्षण प्रयोग एवं उपक्रम में छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं के पंख खोले। वे परीक्षा से जुड़े अनेक संदेहों, शंकाओं एवं डर को लेकर यहां आये, लेकिन लौटते समय उन चेहरों पर संतोष की झलक थी। उन्होंने कुछ अद्भुत या मौलिक, समाधानकारी एवं प्रभावी पाया या नहीं, लेकिन जितना पाया वह उनकी उम्मीद से अधिक था। वे ही नहीं, भारत के असंख्य छात्रों एवं परीक्षार्थियों के लिये यह आयोजन नवऊर्जा एवं नयी दिशाओं के उद्घाटन का माध्यम बना है, जहां से छात्रों के जीवन में व्यापक परिवर्तन, उत्साह एवं जिजीविषा की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई है।

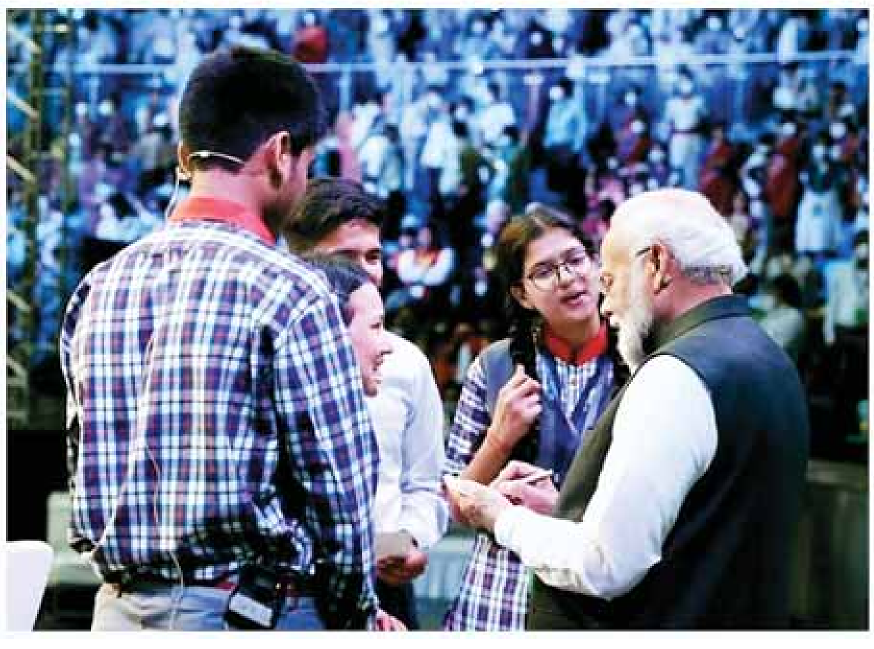

प्रधानमंत्री इस बात को बखूबी समझते है की प?ाई और परीक्षा का तनाव छात्रों के लिए अभिशाप है। वे शिक्षा के स्तर को तो सुधार ही रहे है, लेकिन 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से छात्रों का मनोबल भी बड़ा रहे हैं ताकि परीक्षा तनावमुक्त हो और मोदी के गुरु मंत्रों का सीधा फायदा छात्रों को मिले। 'परीक्षा पे चर्चा' की विशेषता यह है कि इससे जुड़े प्रतिभागी किसी खास वर्ग, क्षेत्र, उम्र, जाति या धर्म के न होकर भारत के सभी राज्यों से लेकर विदेश तक के जूनियर और सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थी के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संवाद की व्यापकता विद्यार्थियों द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर में अपनी बात को केवल परीक्षा तक ही सीमित न कर उसे जीवन से जोड़ देती है। विद्यार्थी जीवन में आने वाली अनेक समस्याएं प्रायः किसी न किसी रूप में जीवन के दूसरे प?ाव में भी जरूर आती हैं।

नरेन्द्र मोदी के शब्दों का जादू और भारत की शिक्षा को ऊंचाई तक ले जाने की तड़प ने एक-एक छात्र एवं शिक्षक को भीतर तक हिला दिया। इस अभिक्रम को देख कुछ लोग तो आश्चर्य में डूब गये क्योंकि मोदी ने शुरूआत में ही कहा कि छात्र पहले से कहीं अधिक नवोन्मेषी हो गए हैं, इसलिये यह कार्यक्रम मेरे लिए भी एक परीक्षा की तरह है। उन्होंने माता पिता से कहा कि आपको किसी बच्चे की तुलना किसी दूसरे से नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उसके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कुछ माता-पिता अपने बच्चे के 'रिपोर्ट कार्ड' को अपना 'विजिटिंग कार्ड' मानते हैं, यह ठीक नहीं है। अपने संबोधन उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां जीवन में प्रेरणा का काम करती हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। इसके लिये उन्होंने प्रेरणा, आत्मविश्वास, एकाग्रता, आशा, उत्साह, समय और तनाव प्रबंधन आदि ऐसे अनेक विषयों पर बोला जो विद्यार्थी से लेकर आम व्यक्ति के जीवन को उजालने के लिये जरूरी है।

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान मोदी से सवाल हुआ कि छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की क्या भूमिका होनी चाहिए और छात्रों को किस तरह से तनावमुक्त रखना चाहिए? मोदी ने कहा कि किसी भी शिक्षक और छात्र के बीच परीक्षा को लेकर सिर्फ नाता नहीं होना चाहिए, अगर ऐसा है तो उसे ठीक करने की जरूरत है। शिक्षक और छात्र का नाता पहले दिन से ही निरंतर प्रगाड़ता से बढ़ते रहना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो परीक्षा के दिनों में तनाव की नौबत ही नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के तनाव को कम करने में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। इसलिए शिक्षक और छात्रों के बीच हमेशा सकारात्मक रिश्ता रहना चाहिए। शिक्षक का काम सिर्फ जॉब करना नहीं, बल्कि जिंदगी को संवारना है, जिंदगी को सामर्थ्य देना है, यही परिवर्तन लाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को सिलेबस से आगे ब?कर छात्रों से संग रिश्ता बनाना चाहिए। इसी से छात्रों के उन्नत, सक्षम, प्रखर एवं चरित्रसम्पन्न जीवन की संभावनाओं का धरातल मजबूत होगा और इसी से वे वर्चस्वी और यशस्वी बनेंगे, उनकी रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतिभा निखरेगी। संभवतः इसी से सशक्त भारत एवं विकसित भारत का सपना आकार ले सकेगा।

ग्रामीण छात्रों की पसंद विज्ञान एवं तकनीकी विषयों की बजाय आर्ट्स विषय ही होना, शिक्षा के प्रति उपेक्षा एवं शिक्षकों की उदासीनता को ही दर्शा रहा है। समस्या गणित या भाषा नहीं है, ग्रामीण क्षेत्रों की पढ़ाई में यह पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। यह चुनौती बड़ी इसलिए है कि नवीन शिक्षा नीति घोषित होने के बावजूद स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं तलाशा गया है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी अन्यथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहे देश के लिये यह चुनौती एक अंधेरा ही है। इसके लिये शिक्षकों एवं छात्रों के रिश्ते को नये आकार में ढालने की अपेक्षा है। भारत जैसे देश में शिक्षा और उसके पढ़ाई के स्तर पर ऐसी कई पेचीदिगियां एवं चुनौतियां हैं। पढ़ाई का स्तर और पढ़ाई के ढंग की वजह का सीधा असर छात्रों के परीक्षा पर पड़ता है। ये भी हकीकत है कि 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से शिक्षा के क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन की शुरुआत की गयी है, नयी शिक्षा नीति घोषित की गयी है, लेकिन अभी भी शिक्षा में कई क्रांतिकारी परिवर्तन की जरूरत है। भारत में परीक्षा का तनाव इतना घातक है कि इसके तनाव से छात्र खुदकुशी तक कर लेते है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक परीक्षा में फेल होने के कारण साल 2014 से साल 2020 के बीच कुल 12,582 छात्रों ने आत्महत्याएं की हैं। आधुनिक शिक्षा के सामने आज अनेक चुनौतियां हैं। जबकि हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरंतर सामंजस्यपूर्ण विकास करके हमारे स्वभाव को परिवर्तित करने का सशक्त माध्यम है। हमने प्राचीन शिक्षा प्रणाली की इन विशेषताओं को भूला दिया है। आजादी के बाद से चली आ रही शिक्षा प्रणाली में शिक्षालय मिशन न होकर व्यवसाय बन गया था। मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' से शिक्षा के गौरव को स्थापित करने को भी तत्पर है।

'परीक्षा पे चर्चा' में अनेक छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया। जैसे हाथ से लिखने की आदत का कम होना। आईपैड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर समय बिताने के कारण बहुत से छात्रों की कलम से कागज पर लिखने की आदत छूट गई है। दैनिक आधार पर छात्रों को लिखने का अभ्यास करना चाहिए। एक विषय लें और उस पर लिखें, और फिर उसमें खुद ही सुधार करें। यह अभ्यास आपको अपनी गलतियों को सुधारने में मदद करेगा और आपको सही तरीके से रणनीति बनाने में भी मदद करेगा। आज परीक्षा में सबसे बड़ी चुनौती हाथ से लिखना ही है, इसके लिये निरन्तर लिखने का अभ्यास जरूरी है। क्योंकि अगर आपको तैरना आता है तो पानी में जाने से डर नहीं लगता। जो प्रैक्टिस करता है उसे भरोसा होता कि मैं पार कर जाऊंगा। छात्रों एवं परीक्षा के लिये एक स्वतंत्र आयोजन, निश्चित ही दूरगामी सोच का परिणाम है। नरेन्द्र मोदी शिक्षा में नये मूल्यों की स्थापना कर उसे सुन्दर शक्ल देने की बड़ी जिम्मेदारी मानते हुए ही ऐसे आयोजन को महत्व दे रहे हैं। उनको खुद को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। वे परीक्षाओं को मनोरंजक और तनाव मुक्त बनाने से संबंधित नये-नये तरीके प्रस्तुत कर छात्रों की निराशाओं को अवसरों की खि?की बना कर उससे ताजी हवा का अहसास कराते हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

वन विभाग और मप्र ईको टूरिज्म का अनुभूति कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले के प्रसिद्ध हर्बल पार्क में वन विभाग एवं मप्र ईको टूरिज्म द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम अंतर्गत तीन दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रथम दो दिवस शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय के लगभग 250 छात्र-छात्राओं को आर के चौरे के मार्गदर्शन में विभिन्न वन्य प्राणी एवं वनस्पतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है ।

प्रथम दो दिवस विद्यालयीन छात्र-छात्राओं वन एवं टुरिज्म से संबंधित जानकारी भी दी गई। साथ ही अंतिम दिन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमे पूरे दिवस छात्र छात्राओं को वन भ्रमण कराने के बाद उनकी परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य वन संरक्षक अनिल शुक्ला एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी हरिओम मनु और स्टाफ द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन रूप किया गया जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद से पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर द्वारा स्कूली बच्चों को वन्य प्राणियों के जीवन के महत्व के बारे बताया गया। सभी बच्चों, वनविभाग, कर्मचारियों अधिकारियों एवं स्कूल प्रबंधन को वन संरक्षण का संकल्प भी दिलाया।

अवैध उत्खनन व परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कड़ी कार्रवाई, देर रात 9 डंपर किए जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ट्रैफिक, परिवहन एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा देर रात्रि 1 बजे और अलसुबह आज 5 बजे माखननगर रोड पर सघन जांच की गई। जिसमें ओवरलोड पाए जाने पर 7 डंपर और प्रेशर हॉर्न लगा पाए जाने पर 2 डंपर इस प्रकार कुल 9 डंपर जप्त किए गए। जप्त कर डंबर को आरटीओ कार्यालय में खड़ा किया गया हैं। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी निशा चौहान, डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा एवं जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरवाई में आग न लगाने के लिए जागरूकता जरूरी

मूंग फसल में रसायनों के संतुलित प्रयोग के लिए किसानों को करें जागरूक: कलेक्टर

बैठक में अनुपस्थित रहने पर नोडल सचिव कृषि उपजमंडी को कारण बताओ सूचना पत्र

फसलोत्पादन के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण भी जरूरी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार कलेक्ट्रेट में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा कृषि एवं कृषि संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक में विभागों की योजनावार क्रियान्वयन व प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नोडल सचिव कृषि उपज मण्डी समिति के बिना किसी पूर्व सूचना और अनुमति के अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक मे उप संचालक कृषि द्वारा अवगत कराया गया कि जिला-नर्मदापुरम मे कुल क्षेत्रफल 3.45 लाख हेक्टेयर तथा फसल सघनता 280 प्रतिशत है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। जिला नर्मदापुरम फसलों के बीज उत्पादन में स्वावलंबी है, जिले मे उत्पादित अतिरिक्त बीज देश के अन्य हिस्सों मे भेजा जा रहा है। जिले मे उगाई जा रही फसलों के लिए आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। इस वर्ष रबी सीजन मे 241 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं तथा 77 हजार हेक्टेयर मे चना की फसल बोई गई है, गत वर्ष की तुलना मे चना का रकबा बढ़ा है। जिले मे 03 जगह- मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला पवारखेड़ा, कृषि उपज मण्डी एवं कृषि विज्ञान केंद्र पलिया पिपरिया बनखेड़ी में मिट्टी परीक्षण का कार्य किया जा रहा है तथा इस वर्ष 7765 किसानों को निःशुल्क स्वाईल हेल्थ कार्ड प्रदाय किए गए है। निरंतर अनाज वाली फसलें बोई जाने तथा असंतुलित उर्वरक मात्रा का प्रयोग करने के कारण कृषि भूमि मे नाइट्रोजन, सूक्ष्म पोषक तत्व तथा ऑर्गेनिक कार्बन की कमी होती जा रही है, और मिट्टी काठोर हो रही है। किसानों को उत्तम गुणवत्ता के खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के क्रम मे आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 के अंतर्गत बनाए गए उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत तीन व्यक्तियों पर कार्यवाही करते हुए पुलिस प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हार्वेस्टर से फसल की कटाई करने उपरांत नरवाई मे आग लगाने से रोकने तथा ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल में रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग को रोकने के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा दिए गए।

उप संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में सब्जियों की खेती के साथ-साथ तरबूज व सिंघाड़े का उत्पादन भी बढ रहा है। जिले नर्मदापुरम की नर्सरी में तैयार किए गए उत्तम गुणवत्ता के आम के पौधे पूरे प्रदेश मे भेजे जा रहे है। औषधि क्षेत्र मे चिया सीड उत्पादन मे बढ़ोतरी हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना व क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा दिए गए।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा एवं विस्तार द्वारा अवगत कराया गया कि जिले मे 3.46 लाख गौवंश तथा 1.08 लाख भैसवंशीय पशुधन है,जिले मे 204 पशु लम्पी त्वचा रोग से ग्रसित हुए थे जिन्हे समय पर इलाज कर ठीक किया गया है। जिले मे 3.90 लाख पशुओं का टीकाकरण किया गया है। जिले मे 50724 पशुओं को कृत्रिम गर्भाधान किया गया जिनमे से 16392 गर्भाधान सफल हुए है। मादा पशु प्राप्ति हेतु सॉर्टेड सीमन द्वारा पशुओ मे कृत्रिम गर्भाधान के प्रति किसानों की रुचि बढ़ रही है। चिकित्सकों द्वारा निरंतर गौशालाओ का भ्रमण कर आवश्यक उपचार किए जा रहे है। चलित पशु चिकित्सा ईकाई 1962 में 15 मई 2023 से 4949 पशुओ का उपचार किया गया है।

सहायक संचालक मत्स्य द्वारा बताया गया कि जिले में समस्त स्त्रोतो से मत्स्य उत्पादन 2280 मे.टन किया गया है, मत्स्य पालन हेतु मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मत्स्य बीज उत्पादन (स्पान) अंतर्गत 7450 मे.टन तथा मत्स्य बीज उत्पादन स्टैंडर्ड फ्राई अंतर्गत 1614 मे.टन उत्पादन किया गया है। मछुआ क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत 120 आवेदन स्वीकृत किए गए है।

प्रक्रिया प्रभारी म.प्र. बीज फार्म विकास निगम सिवनीमालवा द्वारा अवगत कराया गया कि सिवनीमालवा स्थित फॉर्म पर 13.100 हेक्टेयर क्षेत्र में चना, 7.2 हेक्टेयर में गेहूं तथा 3.2 हेक्टेयर में आलू लगाया गया है। तथा माखन नगर स्थित फॉर्म में 17 हेक्टेयर क्षेत्र में चना, 2.8 हेक्टेयर में आलू तथा शेष क्षेत्र में गेहूं लगाया गया है।सहायक कृषि यंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में इस वर्ष 08 नवीन निजी कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित किए गए है। कृषि शक्ति योजनान्तर्गत चयनित ग्राम घोघरा रैयत, चारटेकरा, कास्दाखुर्द एवं कास्दा रैयत मे किसानों को कृषि यंत्र के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। धान की उपज में 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि होने के कारण किसानों का रुझान पेडी ट्रांसप्लांटर की ओर बढ रहा है।

डूब क्षेत्र में आने के 7 साल बाद भी विस्थापन की नहीं हुई कार्रवाई, झुग्गी-झोपड़ी में रहने को मजबूर, पीड़ितों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रशासन के जिम्मेदारों को ढीले रवि के कारण जो कार्रवाई 7 साल पहले हो जानी चाहिए थी वह कार्रवाई आज तक नहीं हो पाई इस वजह से गरीब झोपड़िया में रहने को मजबूर हैं। जबकि नियम अनुसार सबसे पहले विस्थापन की सुविधा का लाभ झागर के ग्रामीणों को उपलब्ध कराना था इसके बाद इनके मकानों को खाली करवाया जाता पर ऐसा नहीं होने के कारण गरीब दर-दर की ठोके खाने को मजबूर है। इस सुविधा का लाभ पाने के लिए यहां कई सालों से चक्कर लगा रहे हैं सनी होती हुई दिखाई नहीं दे रही है। जबकि 7 साल पहले सेमलखेड़ी बांध में झागर के किसने की जमीन भी डूब क्षेत्र में आ गई थी उनके घर भी उसी में चले गए इस वजह से यहां लोग अब झोपड़ी बनाकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं । डूब क्षेत्र में जमीन का मुआवजा तो दे दिया गया पर घर बनाने के लिए जगह भी उपलब्ध नहीं कराई गई है । तत्कालीन अधिकारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीण आज भी परेशान होने को विवश है ।यदि उस समय विस्थापन की कार्रवाई करते हुए इनको जमीन देकर मकान बनाने के लिए मुआवजा दे दिया गया होता तो आज इस तरह के हालत निर्मित नहीं होते। अधिकारियों ने उस समय जल्दबाजी में जमीन का मुआवजा लेकर मकान का मुआवजा देना उचित नहीं समझा इस काम को पेंडिंग छोड़ दिया था इस वजह से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। नियम अनुसार पहले विस्थापन की कार्रवाई प्रशासन को पहले करते हुए इन लोगों को रहने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाती मकान भी बनाने के मुआवजा राशि देने का काम प्राथमिकता पर करना था जो नहीं किया गया इस वजह से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मंगलवार को एसडीएम के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को देते हुए कहा कि 7 सालों से हम लोग परेशान हो रहा है पर हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। शीघ्र ही विस्थापन की कार्रवाई करते हुए हम लोगों को रहने के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाए हमारे मकान का मुआवजा दिया जाए जिससे कि हम लोग रहने के लिए मकान बना सके अभी हम लोग झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर है। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है कई बार हम लोग आवेदन दे चुके हैं। तक हम लोगों को केवल आश्वासन के सिवाय हम कुछ नहीं मिला है। अब देखना है कि इनकी समस्या का समाधान होगा या फिर इसी तरह यह लोग मुआवजा पाने के लिए दर-दर की ठोकने खाते रहेंगे।

इनका कहना है

मैं अभी नया आया हूं मुझे पूरे मामले की जानकारी नहीं है किस कारण से विस्थापन की कार्रवाई नहीं हुई उसको दिखा रहे हैं इनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

संजय चौरसिया तहसीलदार

धार्मिक स्थलों के पास फैली गंदगी, नपा के स्वास्थ्य निरीक्षक पर लग रहे मनमानी के आरोप

नर्मदापुरम। नगर को साफ सुथरा रखना नगर पालिका की जिम्मेदारी है लेकिन इस जिम्मेदारी से नगर पालिका के स्वच्छता संबंधी अधिकारी कर्मचारी मनमाने तरीके से निष्क्रियता बरत रहे हैं। नगर के धार्मिक स्थल राम जी बाबा की समाधि के आसपास कई महीनो से कचरे का ढेर लगा हुआ है. कहने को नगर पालिका ने स्वास्थ्य निरीक्षक को नगर की साफ सफाई की जिम्मेदारी दे रखी है. लेकिन इस अधिकारी द्वारा नगर की स्वच्छता को लेकर जिस तरह लापरवाही बरती जा रही है उसे देखकर लगता है कि नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी सीएमओ एवं नगर की प्रथम नागरिक अध्यक्ष भी इस लापरवाही के प्रति बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। जब एक धार्मिक स्थल पर इस तरह गंदगी फैल सकती है तो नगर के अन्य स्थानों का हाल क्या होगा यह बताने की आवश्यकता नहीं है। नागरिकों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग की है कि नगर पालिका में वर्तमान पदस्थ स्वास्थ्य निरीक्षक एवं स्वच्छता प्रभारी अधिकारी के स्थान पर किसी योग्य एवं जिम्मेदार को कार्य दायित्व सौंपा जाए ताकि नगर की साफ सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रह सके।

तय समय सीमा में नगर पालिका नहीं दे रही मांगी गई जानकारी: शर्मा

नर्मदापुरम। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत नगर पालिका की सूचना शाखा द्वारा समय सीमा में जानकारी नहीं दिए जाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन के जिला महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने कलेक्टर से लिखित शिकायत करते हुए कहा कि मेरे द्वारा दिनांक 11 दिसंबर 2023 को नगर पालिका नर्मदापुरम में भवन संनिर्माण के हितग्राहियों से संबंधित आरटीआई लगाई गई थी जिसका जवाब मुझे आज दिनांक तक नहीं दिया गया है जिसकी जवाबदारी नगर पालिका में कार्यरत सूचना शाखा प्रभारी पंकज बरगले की है इसके पूर्व भी मेरे द्वारा संबल योजना के संबंध में आरटीआई लगाई गई थी जिसका जवाब भी मुझे दो महीने में दिया गया. मुझे आशंका है कि भ्रष्टाचार के चलते नगर पालिका के कर्मचारी किसी भी आरटीआई का जवाब तय समय सीमा में नहीं देते हैं और यह भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम में चल रहा है जिसकी जानकारी मेरे द्वारा नगर पालिका सीएमओ नवनीत पांडे तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव को बराबर दी जा रही है किंतु उनके द्वारा भी भ्रष्ट कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है ।

नर्मदा कॉलेज में मद्य निषेध दिवस मना, शपथ ग्रहण नुक्कड़ नाटक, रैली, प्रश्न मंच और दौड़ प्रतियोगिताएं हुई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार नर्मदा कॉलेज में मंगलवार को मद्य निषेध संकल्प दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम अधिकारियों कर्मचारियों और विद्यार्थियों को प्रभारी प्राचार्य डॉ एस सी हर्ने द्वारा मद्यपान निषेध की शपथ दिलाई गई।तत्पश्चात सभी से संकल्प एवं शपथ पत्र भरवाए गए । कार्यक्रम के संयोजक डॉ के जी मिश्र ने जानकारी दी कि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय क्रेडिट कोर द्वारा रैली निकाली गई। विद्यार्थियों को स्क्रीन पर मद्य निषेध पर केंद्रित लघु फिल्में, संदेश आदि दिखाए गए तथा मद्य निषेध पर जन जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक आदि का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों के लिए दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई ।उनके परिणाम इस प्रकार हैं। एनसीसी बालक इकाई में शिवम धुर्वे प्रथम, रजनीकांत बारस्कर द्वितीय, तथा गुरुदेश उइके तृतीय स्थान पर वहीं एनसीसी बालिका इकाई में स्तुति त्रिवेदी प्रथम, ज्योति भलावी द्वितीय, तथा रोशनी दायमा तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्न मंच में सेजल यादव अंजलि भाटी की टीम प्रथम, अनीश यादव, दीपक अहिरवार की टीम द्वितीय तथा एकता राजपूत मोहित गोस्वामी की टीम तृतीय स्थान पर रही।

गीत प्रतियोगिता में, प्रियांशु राजपूत प्रथम, स्वाति अहिरवार द्वितीय साक्षी यादव तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में, अभय अमोले प्रथम, भूमिका विश्वकर्मा द्वितीय मयंक वाधवानी तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।मंच संचालन डॉ दिनेश श्रीवास्तव का रहा।कार्यक्रम में डॉ हंसा व्यास, डॉ बी एल राय, डॉ बी एस आर्य, डॉ आलोक मित्रा,डॉ सविता गुप्ता, डॉ ईरा वर्मा, डॉ जे के कमलपुरिया, डॉ महेश मानकर, डॉ यास्मीन खान, शिवकांत मौर्य,शबनम कुरैशी ,डॉ नीलू दुबे, डॉ शोभा बिसेन, जयसिंह ठाकुर, मनीष कटारे, देवांश बैरागी और डॉ अंजना यादव का सक्रिय सहयोग रहा।

मेट्रो एंकर — जिला पंचायत सीईओ ने किया सिवनी मालवा की ग्राम पंचायतों का निरीक्षण

ग्रामीणों से चर्चा कर जानी उनकी समस्याएं, विभाग के कर्मचारियों को दिए निराकरण के निर्देश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत द्वारा मंगलवार को जनपद पंचायत सिवनीमालवा की ग्राम पंचायत बगवाडा, पीपलढोन, फरीदपुर,हिरनखेडा का भ्रमण कर विभागीय कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना। सीईओ जिला पंचायत श्री रावत द्वारा मुख्य रूप से सभी ग्राम पंचायतों में साफ सफाई व्यवस्था को सुधारने, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को ग्रामीणों के उपयोग हेतु चालु रखने, स्वच्छता परिसरों में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने व प्रगतिरत निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

उन्होंने ग्राम पंचायत बगवाडा में सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निरीक्षण किया गया, वहां पर वर्तमान में पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है यहां स्थाई व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। साथ ही सामुदायिक स्वच्छता परिसर में निरंतर सफाई रखने के निर्देश दिये गये। ग्राम पंचायत पीपलढोन में ग्रामीणों द्वारा सीईओ जिला पंचायत को पुलिया निर्माण के लिए स्थल का निरीक्षण कराया गया। स्थल निरीक्षण उपरांत श्री रावत द्वारा सहायक यंत्री को उक्त कार्य की विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये। साथ ही सड़क निर्माण के लिए भी डीपीआर निर्माण के निर्देश दिये गये। सीईओ द्वारा ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश दिये गये कि माध्यमिक शाला से मुख्य मार्ग तक पुलिया निर्माण के लिए प्राक्कलन तैयार किया जाए, साथ ही सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाये। ग्राम पंचायत हिरनखेडा में प्रगतिरत पंचायत भवन, निर्माण कार्यो को मानक मापदण्डों एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिये गये। हिरनखेडा में वृहद तालाब का निरीक्षण किया गया एवं तालाब के समीप सौंदर्यीकरण के निर्देश दिये गये। साथ ही सहायक यंत्री को निर्देशित किया गया कि उक्त तालाब इस प्रकार विकसित किया जाये जो बहुउपयोगी हो। तालाब के समीप ग्रामीणों के लिए पार्क तैयार हो, तालाब से पर्यटन का विकास हो सके यह भी सुनिश्चित किया जाये। ग्राम पंचायत फरीदपुर में स्कूली बच्चों को स्कूल तक पहुंच मार्ग में पुलिया का भी निरीक्षण किया। आपको बताते चले कि ग्राम पंचायत फरीदपुर के सरपंच का टेंट का व्यवसाय है अपने टेंट सामग्री को रखने के लिए इन्होंने पंचायत भवन को ही अपना गोदाम बना रखा था जिसकी शिकायत जनपद सीईओ से करने के बाद पंचायत भवन से टेंट का सामान खाली करवाया गया था वहीं ग्रामीणों ने बताया था कि यहां की सचिव मोनिका मालवी कभी भी ग्रामीणों का फोन नहीं उठाती हैं और ना ही इनका सहायक सचिव फोन रिसीव करता है। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिवनीमालवा श्रीमती श्रुति चौधरी,सहायक यंत्री मनरेगा रूपेश नागले, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी राकेश नागर तथा संबंधित पंचायतों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नर्मदा कॉलेज में सात दिवसीय हार्टफुलनेस ध्यान योग शिविर का समापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा कॉलेज में हार्टफुलनेस अंतरराष्ट्रीय संस्थान की एम ओ यू के तहत ध्यान की सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। इसके अंतर्गत आध्यात्मिक ,बौद्धिक और भावनात्मक विकास तथा आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने आयोजन की सराहना की ओर बधाई दी ।डॉ एस सी हर्ने ने इसे समय की आवश्यकता बताते संदर्भित किया। कार्यक्रम के सूत्रधार डॉ कमल वाधवा ने जानकारी दी कि इस प्रक्रिया के ध्यान से तनाव कम होने के साथ मन में प्रसन्नता, सरलता का संचार होता है। सकारात्मक प्रभाव विकसित होते हैं । उन्होंने यह भी बताया कि इसके अंतर्गत विभिन्न योगिक क्रियाएं, मुद्राएं प्रयोग विधियां द्वारा छात्रों को समझाया गया।

हार्टफुलनेस दर्शन योगियों के शोध और व्यावहारिक अनुभव पर आधारित है ।अतः यह ज्यादा प्रभावी विधि मानी जाती है। डॉ योगेश खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने इस प्रक्रिया को हृदय और भावनाओं के तालमेल की स्थिति बताया।जो जीवन को दिव्यता से जोडती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ दिनेश श्रीवास्तव ने किया। आभार व्यक्त करते हुए डॉ मीना कीर ने कहा कि इस शिविर से छात्र छात्राओं और प्राध्यापकों ने ध्यान की उच्च साधना का अभ्यास किया, तनाव प्रबंधन और दिनचर्या के संतुलनकारी बिंदुओं को आत्मसात किया। कार्यक्रम में डॉ आर एस बोहरे ,डॉ प्रीति आनंद उदयपुरे ,डॉ केशव मिश्रा,डॉ रोशनी थापक, डॉ नीता वर्मा, रीना सक्सेना ,चेतना पंवार ,डॉ मालती पटेल, उमेश सेन, एस के झा एवं विद्यार्थियों ने ध्यान अभ्यास का लाभ प्राप्त किया।

भारत माता की जय
भारत माता की जय
मेरा भारत महान
सारथी सिटी सिरोंज की ओर से
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाऐं ।
निवेदक - अंकुर तारण मित्र मण्डली सिरोंज

समस्त क्षेत्रवासियों को
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाऐं
स्वर्णिम 50 वर्ष
1973-2023
प्रशासक-हर्षल चौधरी
सौ.से-फतेहसिंह चौहान, मंडी सचिव-सिरोंज

भारत माता की जय
मेरा भारत महान
भारत माता की जय
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाऐं ।
Republic Day
एस.के. जैन
प्रशासक
राजकुमार साहू
प्रबंधक
सौजन्य से :- कार्यालय मार्केटिंग सोसायटी सिरोंज

भारत माता की जय
मेरा भारत महान
भारत माता की जय
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाऐं ।
एस.के.जैन
प्रशासक
पं.गोपाल प्रसाद शर्मा
प्रबंधक
सौ. प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या.हाजीपुर सिरोंज

समस्त कृषक बंधु फसल बीमा
अवश्य रूप से करवायें।
समस्त किसान भाईयों एवं क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं
सौजन्य से- वीरेन्द्र मालवीय, एस.ए.डी.ओ. कृषि विभाग-सिरोंज

भारत माता की जय
वन्दे मातरम्
भारत माता की जय
सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं।
अमर शहीदों को शत्-शत् नमन्।
सरपंच प्रतिनिधि
संजीव गुर्जर
सचिव
पं. कृष्णकांत शर्मा
ग्राम रोजगार सहायक
कैलाशसिंह यादव
सौजन्य से ग्राम पंचायत चुनियाखोह सिरोंज म.प्र.

ग्राम पंचायत घुटुआ की ओर से
समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाऐं
विक्रम सिंह धाकड़
सरपंच
मुशर्रफ अली
सचिव
सौ.से. ग्राम पंचायत-घुटुआ

वन विभाग सिरोंज की ओर से
सभी देशवासियों को
पेड़ है तो कल है
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं
पेड़ लगाओ वातावरण को हराभरा बनाओ
पेड़ों की रक्षा करने का करें संकल्प
देवेश गौतम
वन परिक्षेत्र अधिकारी
सौजन्य से-वन विभाग-सिरोंज

देशी-विदेशी शराब, ठेकेदार की ओर से
समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं
शहर को साफ स्वच्छ सुंदर
बनाने में अपनी भूमिका निभाए
यहा-वहा गंदगी न फैलाए।
शराब सेहत के लिए
हानिकारक है...
सौजन्य से-देशी शराब ठेकेदार आबकारी विभाग-सिरोंज

घरेलू टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी विराट कोहली की तुलना में कमजोर साबित हो रही है...

44 टेस्ट मैच के बाद ऐसा दौर, जब भारतीय टीम लगातार 3 टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं जीत सकी

घरेलू जमीन पर हार का सामना

नईदिल्ली, एजेंसी

घरेलू जमीन पर करीब 12 साल और 44 टेस्ट मैच बाद ऐसा दौर आया है जब भारतीय टीम लगातार तीन टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं जीत सकी। पिछला मौका 2012 में आया था। तब भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ ही दो टेस्ट मैचों में हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। इस बार के तीन ऐसे टेस्ट मैचों में से दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहे थे। इंदौर टेस्ट में भारत हारा था, जबकि अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ रहा था। अब हैदराबाद में इंग्लैंड ने हमें हरा दिया है। कप्तान रोहित शर्मा के कार्यकाल में एक ऐसा वाकया हो गया है जो पिछले 12 साल से नहीं हुआ था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हार गई है। यह घरेलू जमीन पर लगातार तीसरा ऐसा टेस्ट मैच है जिसमें भारतीय टीम को जीत नसीब नहीं हुई है। घरेलू टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी विराट कोहली की तुलना में कमजोर साबित हो रही है?

विराट कोहली की कप्तानी में कभी ऐसा नहीं हुआ

विराट कोहली ने 2015 में टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली। 5 नवंबर 2015 को उन्होंने भारतीय जमीन पर पहली बार टेस्ट में टीम की कप्तानी की। उनके कार्यकाल में भारत ने 31 टेस्ट मैच अपनी जमीन पर खेले। इन 31 मैचों में कभी ऐसा नहीं हुआ, जब भारत को लगातार तीन मुकाबलों में जीत न मिली हो। विराट की अगुआई में भारत का भारत में जीत हासिल न कर पाने का सबसे लंबा दौर 2 टेस्ट मैचों का रहा। मार्च 2017 में एक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और इसके ठीक बाद एक टेस्ट श्रीलंका के खिलाफ ड्रॉ रहा था। गौर करने लायक बात यह है कि उन मुकाबलों में भी भारत हारा नहीं था।

फील्ड प्लेसमेंट और बॉलिंग में आक्रामकता की कमी

विराट ने 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार टेस्ट कप्तानी की। उन्होंने 2 ही मैचों में कमान संभाली, एक में टीम को 48 रन से हार मिली और दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। विराट ने इनमें 3 संचुरी लगाई और अपनी फील्ड प्लेसमेंट और एग्रेसिव कप्तानी से टीम को दोनों ही बार जीत के करीब पहुंचाया। वह आगे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत कर ही माने। रोहित की कप्तानी में शुरुआत से ही अटैकिंग फील्ड और इंटेंट की कमी नजर आई। जब टीम इंडिया हावी रहती तो रोहित का फील्ड प्लेसमेंट सही चल रहा होता है लेकिन दबाव आते ही वह बिखरे-बिखरे नजर आते। इंग्लैंड के खिलाफ भी पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने आखिर तक डिफेंसिव फील्ड लगाई। जहां इंग्लिश प्लेयर्स ने बहुत आसानी से सिंगल चुराए, स्वीप से रन बनाए और लगातार स्ट्राइक रोटेट की। वैसे तो धोनी टीम इंडिया के बेस्ट कप्तान कहे जाते हैं लेकिन टेस्ट में वह भी कोहली के आसपास नहीं। विराट ने बतौर कप्तान भारत में 11 सीरीज खेलीं और सभी जिताईं। टीम ने साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को 2-2 सीरीज हराईं। जबकि ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ एक-एक बार सीरीज जीतीं। धोनी की कप्तानी में भारत को घरेलू मैदान पर इंग्लैंड ने 2-1 से हराया, जबकि साउथ अफ्रीका ने 2 सीरीज ड्रॉ करा लीं। रोहित की कप्तानी में भारत में टीम ने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को सीरीज हराई। लेकिन टोटल 7 टेस्ट में 4 बार ही भारत को जीत मिली।

कोचिंग स्टाफ में बदलाव

कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया के 2 कोच रहे। 2016 में अनिल कुंबले और बाकी समय रवि शास्त्री। शास्त्री और कोहली के कॉम्बिनेशन में टीम इंडिया ने विदेश में भी टेस्ट जीतना शुरू कर दिया। 2018 में जब भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती, तब शास्त्री ने कहा था- पिच से फर्क नहीं पड़ता, हमें बस 20 विकेट निकालने हैं। इसी इंटेंट के दम पर 2021 में टीम ने कोहली के बगैर ही युवा खिलाड़ियों साथ ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर टेस्ट सीरीज जीत ली। शास्त्री और कोहली की अटैकिंग सोच ने भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 और साउथ अफ्रीका-इंग्लैंड में 2-2 टेस्ट जिताए।

विराट की कप्तानी में घर में 6 साल में दो टेस्ट हारे

विराट कोहली ने 2015 से 2021 तक छह साल घरेलू मैदानों पर कप्तानी की। इस दौरान भारत ने घर में 31 टेस्ट मैच खेले। 24 में टीम को जीत मिली और सिर्फ 2 में हार का सामना करना पड़ा। 5 टेस्ट ड्रॉ रहे। विराट की कप्तानी में घर में इन 2 हार के बीच 4 साल का फासला था। दूसरी ओर रोहित ने 2022 से टेस्ट में भारतीय जमीन पर भारतीय टीम की कमान संभाली है। उन्होंने यहां 7 टेस्ट में टीम की कमान संभाली। 4 में भारत को जीत मिली है। 2 में हार झेलनी पड़ी और 1 मैच ड्रॉ रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत को घर में दो हार 10 महीने के अंदर मिली है।

ट्रांजिशन फेज से गुजर रही भारतीय टीम, टीम मैनेजमेंट अब युवाओं पर भरोसा दिखाकर भविष्य के बारे में सोच रहा

टीम इंडिया में फिलहाल युवा खिलाड़ियों के जगह बनाने का दौर चल रहा है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज और श्रेयस अय्यर जैसे युवाओं ने चेतेश्वर पुजारा, ईशांत शर्मा और अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी प्लेयर्स को रिप्लेस कर दिया है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि टीम मैनेजमेंट अब युवाओं पर भरोसा दिखाकर भविष्य के बारे में सोच रहा है। इसी को ट्रांजिशन फेज कहते हैं। यानी खिलाड़ियों के एक सेट का विदा होना और नए सेट का फील्ड पर उतरना। ट्रांजिशन फेज में होने के कारण टीम में एकजुटता की कमी नजर आई और युवा खिलाड़ियों की अनुभवहीनता से भारत को 10 महीने में 2 हार का सामना करना पड़ गया। टीम इंडिया का आखिरी ट्रांजिशन फेज 2011 वर्ल्ड कप के बाद आया था। तब कोहली, रहाणे और पुजारा ने राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सचिन तेंदुलकर को रिप्लेस किया था। 2012 के ट्रांजिशन फेज का असर ये हुआ कि टीम इंडिया ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से 2 टेस्ट सीरीज गंवाई। भारत में भी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से सीरीज हार का सामना करना पड़ गया। कोहली की कप्तानी में भी केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल व कुलदीप यादव टीम में आए, लेकिन इस दौरान विराट, पुजारा, रहाणे, अश्विन और जडेजा ने अपने अनुभव से टीम को बिखरने नहीं दिया। एशिया के किसी भी कप्तान और कोच की जोड़ी इन 3 देशों में इतने ज्यादा टेस्ट नहीं जीते हैं फिलहाल राहुल द्रविड़ टीम के हेड कोच हैं और रोहित के फुल टाइम कैप्टन बनने के बाद वह ही ज्यादातर समय टीम में रहे।

न्यूजीलैंड को 214 रन से हराया

सुपर-6 राउंड के पहले मैच में जीता भारत

ब्लोमफोंटेन, एजेंसी

भारतीय टीम ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर-6 राउंड के अपने पहले मैच में जीत हासिल कर ली है। टीम ने न्यूजीलैंड को 214 रन से हराया। ब्लोमफोंटेन में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। भारतीय टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 295 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 28.1 ओवर में 81 रन पर ही सिमट गई। भारत के ऑलराउंडर मुशीर खान ने 131 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं, बॉलिंग में सौम्य पांडे ने 4 विकेट लिए। भारत का अगला

मुकाबला नेपाल के खिलाफ 2 फरवरी को है। मैच का इकलौता शतक मुशीर खान ने लगाया। मुशीर 48वें ओवर में आउट हुए। उन्होंने 126 बॉल में 131 रन बनाए। अब तक इस वर्ल्ड कप में मुशीर 2 शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं। मुशीर ने ग्रुप मैच में अमेरिका के खिलाफ 76 रन की पारी खेली थी। वहीं, आयरलैंड के खिलाफ शतक भी लगाया। उन्होंने 106 बॉल पर 118 रन की पारी खेली थी। मुशीर अब शिखर धवन के रिकॉर्ड के करीब है। धवन ने 2004 अंडर-19 वर्ल्ड कप में 3 शतक जमाए थे, जो कि सबसे ज्यादा है। टीम के लिए आदर्श सिंह और अर्शिन कुलकर्णी ने गेम की शुरुआत की। अमेरिका के खिलाफ शतक लगाने वाले कुलकर्णी इस मुकाबले में 9 रन पर आउट हो गए।

एजबेस्टन मैदान पर 3 जुलाई से होगा टी-20 लीग

इंग्लैंड में साथ खेलते नजर आएंगे युवराज, अफरीदी और पीटरसन

नईदिल्ली, एजेंसी

अगर आप युवराज सिंह, शाहिद अफरीदी या केविन पीटरसन जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स के फैन हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। ये सितारे एक साथ टी-20 लीग खेलते नजर आएंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स नाम की लीग में ये खिलाड़ी अगली गर्मियों में इंग्लैंड के एजबेस्टन में मैदान में उतरेंगे। लीग की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। इस लीग में भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड के

अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज से भी ऐसे खिलाड़ी शिरकत कर सकेंगे जो या तो रिटायर हो चुके हैं या इस समय किसी बोर्ड के कॉन्ट्रैक्ट में नहीं बंधे हैं। बॉलीवुड फिल्म एंड म्यूजिक प्रोडक्शन कंपनी जबावा एंटरटेनमेंट इस टूर्नामेंट को ऑर्गेनाइज कर रही है। जबावा के डायरेक्ट हर्षित तोमर ने कहा- इस लीग में वैसे खिलाड़ी खेलेंगे जिनके दुनियाभर में करोड़ों फैंस हैं। इन खिलाड़ियों ने 90 और 2000 के दशक में अलग-अलग देशों में अपने प्रदर्शन से लोगों का दिल जीता है। डब्ल्यूसीएल के प्लेटफॉर्म पर दर्शकों को इन्हें फिर से देखने का मौका मिलेगा। युवराज, अफरीदी और पीटरसन से कॉन्ट्रैक्ट हो चुका है।

भारतीय सितारे युवराज सिंह की गिनती टी-20 क्रिकेट में पावरहिटिंग की शुरुआत करने वाले बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जमाए थे। युवराज इस फॉर्मेट के इंटरनेशनल क्रिकेट में यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। वहीं शाहिद अफरीदी ने 1996 में नैरोबी में श्रीलंका के खिलाफ 37 गेंदों पर शतक जमाया था। लंबे अरसे तक यह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कृति और पुलकित ने चोरी-चुपके की सगाई!

कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट कई सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अब दोनों ने सगाई कर ली है। दोनों के रोका की फोटोज वायरल हो गई हैं। कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फैंस उनकी केमिस्ट्री को पसंद करते हैं और ये दोनों अपने पोस्ट्स के साथ कपल गोल्स देते रहते हैं। जब से उन्होंने अपने रिश्ते को ऑफिशियल बनाया है तब से फैंस के मन में लवबर्ड्स से हमेशा एक ही सवाल रहता है और वह है उनकी शादी के बारे में। लेकिन आज, दोनों ने अपने रोका की तस्वीरें शेयर करके सभी को चौंका दिया है और कभी भी शादी कर सकते हैं। रिया लूथरा नाम के एक इंस्टाग्राम हैंडल ने कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट की अपने दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करते हुए कुछ फोटोज शेयर कीं। तस्वीरों में, हम देख सकते हैं कि एक्ट्रेस सुनहरे बॉर्डर वाली शाही नीले रंग की अनारकली ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही हैं, दूसरी ओर पुलकित सफेद कुर्ते में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। फोटोज में यह जोड़ी बेहद खुश नजर आ रही थी।

हालांकि, इस कपल ने रोका के बारे में कुछ भी जिक्र नहीं किया है, लेकिन तस्वीरों से साफ है कि अब ये दोनों सगाई कर चुके हैं। दोनों पहली बार एक फिल्म के सेट पर एक-दूसरे से मिले थे। पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा का बढ़ता रिश्ता जल्द ही एक खूबसूरत प्रेम कहानी में बदल गया। दोनों अक्सर इंस्टाग्राम पर दर्शकों और फैंस के साथ अपने प्यार का इज़हार करते रहते हैं। उनकी प्रोफ़ाइल पर उनकी छुट्टियों से लेकर काम करने के समय तक की कई तस्वीरें हैं। इससे पहले, एक इंटरव्यू में, पुलकित सम्राट ने शेयर किया था कि कैसे वे अपने रिश्ते में एक-दूसरे के ऑपोसिट हैं। उन्होंने कहा, सबसे अच्छे दोस्त के रूप में, हम एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट करते हैं। हम दोनों होपफुल हैं।

रणबीर पिता ऋषि कपूर को याद कर हुए इमोशनल...

69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में रणबीर कपूर को फिल्म एनिमल के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। वहीं आलिया भट्ट को फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा गया। अवॉर्ड लेने के बाद रणबीर ने अपने दिवंगत पिता ऋषि कपूर को श्रद्धांजलि दी। पिछले साल रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल रिलीज हुई। रणबीर ने अपने पिता को याद करते हुए कहा- मैं हर दिन आपके बारे में सोचता हूं। हर दिन आपको याद करता हूं। आपके साथ बिताए हुए प्यार भरे लम्हें भूला नहीं हूं। उम्मीद करता हूं कि आप जहां भी होंगे शांति से होंगे। रणबीर कपूर की बेटी राहा का जन्म फिल्म एनिमल की शूटिंग से ठीक एक हफ्ते पहले हुआ। रणबीर ने कहा- मेरी बेटी राहा.. शरारती.. तुम्हारा जन्म हुआ और एक हफ्ते बाद मैंने 'एनिमल' के लिए शूटिंग शुरू कर दी। मेरे लिए सबसे खास लम्हा शूटिंग के बाद घर आकर तुम्हें देखना होता था।

सलमान बोले- रोल चाहे जो भी हो, मुझे फर्क नहीं पड़ता

करण जौहर हाल ही में रियलिटी शो इंडियन आइडल में बतौर गेस्ट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'कुछ कुछ होता है' से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि मैं 'कुछ कुछ होता है' की कास्टिंग कर रहा था। शाहरुख खान और काजोल का रोल तय था। लेकिन सलमान द्वारा निभाया गया 'अमन' का रोल करने के लिए कोई एक्टर तैयार नहीं था। उन्होंने कहा-गेस्ट रोल के लिए मैंने 3 से 4 एक्टर्स से बात की थी। मैं उन एक्टर्स का नाम नहीं लूंगा। लेकिन उन चारों ने मुझे मना कर दिया था। इस बात से मैं बहुत परेशान हो गया था। एक दिन की बात है, जब चंकी पांडे के घर पर पार्टी थी। मैं अपना दुखी चेहरा लेकर पार्टी में पहुंचा था। वहां सलमान खान भी थे। सलमान ने मुझे देखा, मेरे पास आए और अपनी स्टाइल में कहा कि तुने कर ली शॉपिंग? करण सलमान का मतलब समझ नहीं पाते हैं। वो पूछते हैं शॉपिंग? सलमान ने कहा- तु गया था ना सबके पास पूछने वो शॉपिंग ही तो होती है। करण ने कहा- हां, गया था। सलमान ने कहा- लेकिन इस फिल्म को करने के लिए किसी को पागल होना चाहिए, और वो पागल मैं हूं। तुम कल आ जाना और मुझे कहानी सुना देना। करण ने कहा- मैं उनके घर पहुंच गया। मैं मन ही मन में डर रहा था कि सलमान कहीं ये तो नहीं सोच रहे हैं कि मैं इन्हें शाहरुख का रोल ऑफर कर रहा हूं। मैंने उन्हें बताया कि आपका रोल सेकंड हाल्फ में आएगा। सलमान ने कहा- इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है। मैं आपके पिता जी को जानता हूं। ये फिल्म मैं उनके लिए कर रहा हूं। रोल चाहे जो भी हो, मुझे फर्क नहीं पड़ता। करण ने बताया कि सलमान इतने बड़े स्टार थे, कि वो मेरी लिस्ट में भी नहीं थे। मैं सोच भी नहीं सकता था कि वो इस रोल के लिए कभी तैयार होंगे। बता दें कुछ कुछ होता है साल 1998 में 16 अक्टूबर को रिलीज हुई थी। फिल्म के 25 साल पूरे हो चुके हैं। यह फिल्म उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और उस समय की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी। धर्मा प्रोडक्शन में बनी सी फिल्म को करण जौहर ने डायरेक्ट किया था। ये उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म थी। स्टारकास्ट की बात करे तो फिल्म में शाहरुख खान और काजोल के अलावा रानी मुखर्जी अनुपम खेर और अर्चना पूरन सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं, सलमान खान का इसमें कैमियो भी था।

मेट्रो बाजार

फॉक्सवैगन को पछाड़, टोयोटा दुनिया की टॉप-सेलिंग कार मेकर कंपनी बनी

नईदिल्ली, एजेंसी

टोयोटा मोटर कॉर्प 2023 की दुनिया की टॉप-सेलिंग कार मेकर कंपनी रही। इस दौरान कंपनी ने दुनियाभर में 11.2 मिलियन (1.12 करोड़) गाड़िया बेचीं। टोयोटा ने लगातार चौथे साल जर्मन कार कंपनी फॉक्सवैगन को पीछे छोड़ा है। बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रही फॉक्सवैगन ने 12 फीसदी की सालाना (ईयर-ऑन-ईयर) ग्रोथ के साथ 92.4 लाख कारें बेचीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की इस बिक्री में उसकी सहायक कंपनियां दाइहात्सू और हिनो की भी हिस्सेदारी रही है। टोयोटा की गाड़ियों की बिक्री में 2022 की तुलना में 7.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसके साथ ही टोयोटा का प्रोडक्शन 2022 की तुलना में 2023 में 8.6 फीसदी बढ़कर 1.15 करोड़ हो गया। सप्लाई चेन में सुधार के साथ नॉर्थ अमेरिका और यूरोप जैसे बाजारों में स्थिर मांग ने टोयोटा की बिक्री बढ़ाने मदद की है। यह बिक्री प्रदर्शन ऐसे समय में आया है, जब ग्लोबल मार्केट में इलेक्ट्रिक कारों की मांग बढ़ रही है। दुनिया की सबसे ज्यादा कार बेचने वाली टोयोटा इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री के मामले में बहुत पीछे है। उसने पिछले साल 1.04 लाख ईवी ही बेची हैं। टोयोटा की बिक्री में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी हाइब्रिड मॉडल्स के कारण रही है। इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कार बिक्री में 30.2 लाख के आंकड़े के साथ सबसे आगे है। इसके बाद टेस्ला का नंबर है, जिसने 2023 में 18.1 लाख ईवी बेचे हैं।

इंडियन मार्केट की बात करें तो टोयोटा ने 2023 में टोटल 2,31,469 गाड़ियों की बिक्री की है। वहीं, कंपनी ने दिसंबर-2023 में 21,372 कारें बेचीं। कंपनी को सालाना आधार पर फायदा हुआ है। उसने दिसंबर-2022 में सिर्फ 10,421 यूनिट्स की ही बिक्री की थी। नवंबर-2023 में कंपनी ने 17,818 यूनिट्स की बिक्री की थी।

पोर्शे की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक मैकन लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। पोर्शे ने अपनी पहली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी को भारत सहित ग्लोबल मार्केट में लॉन्च कर दिया है। जर्मन की लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी ने इसे दो ट्रिम्स मैकन 4 और नए मैकन टर्बो में पेश किया है। भारत में मैकन टर्बो की कीमत 1.65 करोड़ रुपए से शुरू होती है। मैकन 4 वैरिएंट के प्राइस रिवील नहीं किए गए हैं। कंपनी ने कार की बुकिंग शुरू कर दी है और इसकी डिलीवरी जुलाई के बाद की जाएगी। मैकन ईवी 800-वोल्ट आर्किटेक्चर के साथ बिल्कुल नए प्रीमियम प्लेटफॉर्म इलेक्ट्रिक आर्किटेक्चर पर बेस्ड है। इस प्लेटफॉर्म को क्यूई-ट्रॉन के लिए ऑडी के साथ डेवलप किया गया है। इसमें

पीपीई आर्किटेक्चर के साथ चेसिस, बैटरी और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख हिस्सों को पोर्शे के साथ शेयर किया गया है। अपकमिंग इलेक्ट्रिक केयेन भी पीपीई प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगी। कार के डायमेंशन की बात करें तो न्यू इलेक्ट्रिक मैकन मौजूदा पेट्रोल मॉडल की तुलना में 103 एमएम लंबी, 15 एमएम चौड़ी और 2 एमएम कम ऊंची है। इसकी लेंथ 4,784 एमएम, विड्थ 1,938 एमएम और हाइट 1,622 एमएम है। कार का व्हीलबेस 2,893 एमएम है, जो इसे पेट्रोल मॉडल की तुलना में 86 एमएम लंबा है। लुक्स के मामले में मैकन ईवी, पेट्रोल मॉडल की तरह दिखती है।

200 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद मिला हत्या के आरोपी का सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके में एक युवक की चाकू मारकर हत्या करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक बदमाश तलैया थाने में दर्ज केस के मामले में पहले से जेल में बंद है, जबकि तीसरा आरोपी फरार है। बदमाशों के हमले में घायल युवक ने 22 दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस ने इलाके में लगे 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसके बाद बदमाशों का सुराग लग पाया।

जानकारी के अनुसार राहुल लोखंडे पुत्र परसराम लोखंडे (19) जवाहर चौक स्थित नागेश्वर मंदिर के पास रहता था और पुताई का काम करता था। बीती 21 दिसंबर की शाम करीब सात बजे वह अपनी मोटर सायकिल से जवाहर चौक से रोशनपुरा चौराहा अपने पिता को लेने के लिए जा रहा था। रंगमहल चौराहा स्थित ट्रैफिक सिग्नल पर स्कूटर पर सवार तीन लड़कों ने उसकी बाइक में कट मार दी। राहुल ने इसका विरोध किया तो तीनों बदमाशों ने उस पर चाकू-छुरी से हमला कर दिया। राहुल बेहोश होकर गिर पड़ा तो तीनों बदमाश स्कूटर पर बैठकर भाग निकले। मौके पर मौजूद एक आटो चालक ने राहुल को इलाज के लिए

टीटी नगर का मामला, एक गिरफ्तार

जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया था। चार दिन बाद होश में आने के बाद उसने पुलिस को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने स्कूटर सवार तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ साधारण मारपीट का केस दर्ज किया था। घायल राहुल की 11 जनवरी को मौत हो गई थी। उसके बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ाई गई थी।

स्कूटर के नम्बर के आधार पर पहुंची पुलिस

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बनाई गई टीम ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसके बाद बदमाशों की नीले रंग की स्कूटर का पता चला। नंबर के आधार पर पुलिस स्कूटर मालिक टोल वाली मस्जिद के पास तलैया में रहने वाले फहीम के पास पहुंची तो उसने बताया कि उक्त स्कूटर उसका बेटा तौहीद शेख चलाता है, लेकिन किश्त नहीं भरने के कारण बैंक वालों ने स्कूटर जब्त कर ली है। पुलिस ने जब बैंक से पता लगाया तो मालूम चला कि स्कूटर जब्त नहीं की गई है।

दोस्तों के साथ मिलकर किया था हमला

पुलिस ने तौहीद शेख को हिरासत में लेकर जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपने साथी हमजा शेख निवासी तलैया और तालिब पठान निवासी श्यामला हिल्स के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। इस पर तौहीद को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि ताबिल फरार चल रहा है। एक अन्य आरोपी हमजा शेख तलैया थाने में दर्ज केस के मामले में पहले से ही जेल में बंद है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, अड़ीबाजी समेत कई संगीन अपराध पहले से अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। बदमाश अपना दबदबा बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अपराधों को अंजाम देते हैं।

गांव की आशा कार्यकर्ता और उसके पति से हुआ था विवाद, डायल 100 लेकर गई थी थाने

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, परिजन ने लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गांव की आशा कार्यकर्ता और उसके पति से हुए विवाद के बाद उसे डायल 100 साथ ले गई थी। परिजन का आरोप है कि पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हुई है। परिजन ने अपने स्तर पर पता किया तो पता चला कि पुलिस और आशा कार्यकर्ता दोनों ही अलग-अलग कहानियां बता रही है। परिजन ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए मर्चूरी में हंगामा कर दिया। आला धिकारियों के पहुंचने के बाद परिजन का घुस्सा शांत हो सका। परिजन ने मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार मुकेश लोधी (40) गांव अमरावर्त खुर्द में रहता था और किसानी करता था। उसके परिजन ने बताया कि गत 29 जनवरी को गांव में मच्छर दानी का वितरण चल रहा था। गांव की आशा ने मच्छरदानी के बदले 200 रुपए मांगे। मुकेश ने उससे कहा कि सरकार की तरफ से मच्छरदानी फ्री में दी जा रही है और वह 200 रुपए नहीं देगा। इस बात को लेकर उसका आशा से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आशा ने अपने पति को बुला लिया। पति अपने एक दो साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और मुकेश लोधी के साथ मारपीट करने लगा। आशा कार्यकर्ता ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मुकेश को डायल 100 में बिठा लिया।

परिजन ने बताया कि शाम करीब 7 बजे उनके पास कॉल आया। कॉलर ने खुद को 100

डायल का पायलेट बताया और कहा कि मुकेश का एक्सीडेंट हो गया है। उसने वीडियो कॉल कर बताया कि वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। परिजन हमीदिया अस्पताल पहुंचे तो मुकेश बेसुध अवस्था में मिला। उसके सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट थी।

निजी अस्पताल में मौत

हमीदिया अस्पताल में हालत बिगड़ते देख परिजन सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे मुकेश को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे थे। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आज बुधवार सुबह मुकेश की मौत हो गई। परिजन ने बताया कि सोमवार से ही मुकेश को होश नहीं?था। परिजन ने बताया कि मुकेश की मौत की खबर लगते ही दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी मौके पर पहुंचे और कहने लगे कि मुकेश का पीएम कराना है। परिजन का कहना था कि उन्हें पता नहीं कि मुकेश की मौत हो चुकी है।

''दो पक्षों में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों को पुलिस डायल 100 से थाने लेकर आ रही थी। इस दौरान डायल 100 में पीछे बैठा मुकेश चलती 100 डायल से कूद किया। इस घटना में उसे सिर में गंभीर चोट?आई?थी। उसे एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। मामले की ज्यूडिशिन जांच कराई जा रही है।

*-**आशुतोष उपाध्याय**, थाना प्रभारी कोलार*

सेमीनार में शामिल होने आए युवक की मौत

भोपाल। बिलखिरिया स्थित एक निजी कालेज में आयोजित सेमीनार में शामिल होने आए युवक की बीमारी के चलते मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शांतनु (21) मूलतऱ्परिश्चम बंगाल का रहने वाला था। बीते दिवस शांतनु एक सेमीमार में शामिल होने के लिए निजी कालेज पहुंचा था। रविवार रात को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी तो इलाज के लिए रायसेन रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। सोमवार दोपहर को इलाज के दौरान शांतनु ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

मेट्रो एंकर **नस कटने से हालत नाजुक, घटना के बाद से ही नहीं आया होश**

घर के पास शराब पी रहे युवकों को दी समझाइश तो गले पर मारा चाकू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा बी सेक्टर में अपार्टमेंट के पास शराब पी रहे तीन युवकों को एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू के दो घांव युवक के गले पर लगे हैं और उसकी हालत नाजुक बनी है। उसे कोलार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल के चचेरे भाई की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। दो की गिरफ्तारी की जा चुकी है, जबकि तीसरे की तलाश की जा रही है।

एसआई रमेश दुबे ने बताया कि कुनाल इंगले पिता मुकेश इंगले (24) मकान नंबर 206, बी सेक्टर, शाहपुरा में रहता हैं। उसके ताऊ का 27 साल के बेटा प्रणव मिश्रा पन्ना में रहता है और पटाखे बनाने वाली बारुद का सप्लाई का काम करता है। प्रणव मिश्रा की मां की तबीयत खराब हैं और वह स्मार्ट सिटी अस्पताल में भर्ती है। मां को देखने के लिए प्रणव पन्ना से भोपाल आया हुआ है और कुनाल के घर रुका है। कुनाल ने बताया कि सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे अपार्टमेंट में जीशान शेख, शिरिष तिवारी और मयूर शराब पी रहे थे। वे आपस में

बयान देते तक था होश फिर हो गया बेहोश

एएसआई दुबे ने बताया कि प्रणव के गले में दो जगह चाकू के घांव हैं। एक जगह कम चोट है, जबकि दूसरी जगह गले में गहरा घांव है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रणव से पूछताछ की थी। उस समय तक प्रणव बातचीत कर रहा था, लेकिन बाद में उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेसुध है।

गालीगलौज और तेज आवास में बात कर रहे थे। कुनाल उन्हें समझाइश देने पहुंचा। कुनाल के पीछे प्रणव भी पहुंचा था।

कुनाल और प्रणव मिलकर तीनों को कहने लगे कि तुम्हारे शोर के कारण अपार्टमेंट में लोगों की नींद खराब हो रही है कहीं और जाकर शराब पी लो। यह बात सुनकर आरोपी भड़क गए और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बीच आरोपी जीशान ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू प्रणव के गले पर दो जगह लगा है।

ट्रक ने मारी बाइक सवार युवकों को टक्कर, दो घायल, एक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित गांव भदभदा में बीती रात करीब साढ़े आठ बजे के आसपास एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार दूसरी बाइक में बाइक समेत जा घुसा। इस हादसे में उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर मौजूद दो युवकों को गंभीर चोट आई है। घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

फाइल फोटो

पुलिस के अनुसार भदभदा गांव के पास बीती रात करीब साढ़े 8 बजे के आसपास एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो वहां केवल दो बाइक क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी नजर आई। पुलिस को कुछ देर बाद अस्पताल से सूचना मिली और पुलिस अस्पताल पहुंची। दो अलग अलग निजी अस्पतालों से सूचना थी। पीपुल्स अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि एक युवक घायल अवस्था में आया था और उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने उसके मोबाइल से बातचीत करते हुए परिवार के लोगों को सूचना दे दी है, जबकि अन्य अस्पताल में पहुंची पुलिस ने बताया कि मनोज कुशवाह और उसका परिचित हादसे में घायल हुआ है।

सरोजनी नायडू स्कूल के सामने मैकेनिक पर चाकू से जानलेवा हमला, केस दर्ज

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित सरोजनी नायडू स्कूल के पास 123 की लाइन में कल दोपहर करीब 12 बजे थाने के दो निगरानी बदमाशों ने अपने साथी के साथ मिलकर मैकेनिक से मारपीट की और उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू पेट पर मारा गया था, बचाव में मैकेनिक पलटा तो उसकी पीठ पर चाकू लगा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास काम मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई दिनेश गौर ने बताया कि दीपू सेन उर्फ दीपक सेन (25) आई, 125/65 शिवाजी नगर में रहता हैं और पेशे से मैकेनिक हैं। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे वह अपने घर से 7 नंबर बस स्टाप पर जा रहा था, तभी सरोजनी नायडू स्कूल के पास 123 वाली लाइन में आकाश बैरागी, अमित बैरागी और ओजस शर्मा मिल गए। आरोपियों ने पुराने विवाद की बात को लेकर दीपू से मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच एक आरोपी ने दीपू पर चाकू से हमला कर दिया।

दो सगे भाइयों ने अपने साथी के साथ मिलकर की वारदात

एकाएक हमला होने से दीपू बचने के लिए घूमा और चाकू उसकी पीठ में लग गया। चाकू पीठ में लगने से उसे गंभीर चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आकाश बैरागी और अमित बैरागी सगे भाई हैं और आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। दोनों थाने की गुंडा लिस्ट में शामिल है। ओजस शर्मा का पुलिस रिकार्ड देख रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022